वर्ष: 2 अंक: 64,
पेज: 8, मुल्य 1 रु.

सुरत
गुरूवार
7 मई 2020

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

सुविचारः– बिना करें भी तो पछताना हैं, इससे अच्छा हैं कुछ करके पछताओ!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका को खोलने से होंगी और ज्यादा मौतें, लेकिन अब हमारे सामने और कोई विकल्प नहीं : ट्रंप

वाशिंगटन (ईएमएस)। कोरोना वायरस के कहर से पूरी दुनिया में सबसे अधिक अमेरिका तबाह है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने से और अधिक अमेरिकियों की मौत होगी। लेकिन अब हमारे सामने इसके अलावा दूसरा कोई उपाय नहीं है। क्या सोशल डिस्टेंसिंग उपाय हटाने और ठप पड़ी इकॉनमी को फिर से खोलने से मृतकों का आंकड़ा बढ़ेगा, इस सवाल के जवाब में ट्रंप ने स्वीकार किया कि बहुत संभव है ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा अब हमें इस स्थिति का सामना करने की तैयारी करनी होगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना के फीनिक्स स्थित हनीवेल कारखाने का दौरा किया। उन्होंने कहा कि अब अपने घरों या अपार्टमेंट में बंद नहीं होंगे। जब डोनाल्ड ट्रंप से पूछा गया है कि क्या कुछ और लोग कोरोना से बुरी तरह प्रभावित होंगे तो उन्होंने कहा कि हां, ऐसा हो सकता है कि मगर हमें अपना देश को खोलना होगा।

बता दें कि अमेरिका में खतरनाक कोरोना वायरस से अब तक 70 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। जानकारों का मानना है कि इसी साल नवंबर में अमेरिका में चुनाव हैं, ऐसे में ट्रंप देश को खोलने की जरूरत महसूस कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस कोरोना वायरस टास्क फोर्स के स्थान पर अर्थव्यवस्था खोलने वाले समूह का गठन करेगा। ट्रंप ने कहा जहां तक, टास्क फोर्स का सवाल है उप राष्ट्रपति माइक पेंस और टास्क फोर्स ने बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अब हम थोड़ा अलग तरह से देख रहे हैं। सुरक्षित ओपनिंग के लिए हमे अलग से एक समूह का गठन करना होगा।

ट्रंप ने कहा कि पेंस की अध्यक्षता वाली टास्क फोर्स ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर कोरोना वायरस की शुरुआत से देश का प्रभावी तरह मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने बताया कि यह संभव है अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने के फलस्वरुप कुछ मौतें होगी। उन्होंने कहा, क्या चल रहा है, इस पर एक नजर रखे। उन्होंने कहा लोग अपनी नौकरी खो रहे हैं। हमें इसे वापस लाना होगा, और यही हम करने का प्रयास कर रहे हैं।

चीनी सेना दक्षिण चीन सागर में कर रही आक्रामक व्यवहार : एस्पर

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने कहा कि चीन की सेना दक्षिण चीन सागर में आक्रामक रुख अपना रही है और 'चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी' ने कोरोना वायरस को लेकर उस पर लग रहे आरोपों से ध्यान भटकाने और अपनी छवि को सुधारने के लिए झूठी सूचनाएं फैलाने का अभियान तेज कर दिया है। एस्पर ने पेंटागन में कहा चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी ने आरोपों से ध्यान भटकाने और अपनी छवि सुधारने के लिए गलत सूचनाएं फैलाने का अपना अभियान तेज कर दिया है। इसके साथ ही हम दक्षिण चीन सागर में पीपल्स लिबरनेशन आर्मी (चीन की सेना) का आक्रामक व्यवहार लगातार देख रहे हैं। फिलीपीन के नौसैन्य पोत को धमकाने, मछलियां पकड़ने वाली वियतनाम की नौका डुबाने और अन्य देशों को अपतटीय तेल एवं गैस संबंधी गतिविधियों को लेकर डराने–धमकाने के मामले इसी व्यवहार को दर्शाते हैं।

एस्पर ने कहा कि कई देश वैश्विक महामारी के कारण अपने आंतरिक मामलों से जूझ रहे हैं और इसी बीच अमेरिका के रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी अपने लाभ की खातिर दूसरों की कीमत पर इस संकट का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि चीन कोरोना वायरस को लेकर शुरुआत से ही पारदर्शी नहीं रहा है। एस्पर ने कहा कि यदि चीन अधिक पारदर्शी रहा होता तो हम इस वायरस को समझ सकते थे और संभवतः दुनिया इस स्थिति में नहीं होती , जिस हालात में वह इस समय है।

उन्होंने कहा चीन को अमेरिका को इस बीमारी के शुरुआती मरीजों, चीनी अनुसंधानकर्ताओं और वैज्ञानिकों से बात करने और उन तक पहुंच की अनुमति देनी चाहिए। एस्पर ने कहा उसने जो कुछ भी किया या वह जो कुछ भी करने में असफल रहा, उसके बाद अब वह यह कहना चाहता है कि हमारे पास मास्क हैं। हम आपको मास्क देंगे, हम आपको यह देंगे , वह देंगे, हम आपको आर्थिक मदद देंगे। देखिए, हम कितनी अच्छी चीजें कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम यह जानते हैं कि वह मास्क मुहैया करा रहा है, वह आपूर्ति कर रहा है, लेकिन कई मामलों में ये अच्छी गुणवत्ता के नहीं हैं।

कम हो रही है सूरज की चमक, घटी पांच गुना रोशनी, वैज्ञानिक चिंतित

न्यूयार्क (ईएमएस)। पृथ्वी पर सबसे अधिक प्रकाश और ऊर्जा के स्रोत के रूप में जाना जाने वाले सूर्य की चमक कम हो रहा है। उसकी रोशनी में कमी आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार सूरज आकाशगंगा में मौजूद उसके जैसे अन्य तारों की तुलना में कमजोर पड़ गया है और उसकी 5 गुणा कम हो गई है। यह दावा जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने किया है। सूरज के इस बदलाव से खौफजदा वैज्ञानिक ये पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के अनुसार सूरज धरती का इकलौता ऊर्जा स्रोत है लेकिन पिछले 9000 सालों से ये लगातार कमजोर होता जा रहा है और इसकी चमक कम हो रही है। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के केपलर स्पेस टेलीस्कोप से मिले आकंड़ों का अध्ययन करके यह खुलासा किया है।

महाराष्ट्र और गुजरात के कोविड–19 के मरीजों में अधिक मृत्यु दर चिंताजनक – डॉ हर्षवर्धन

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ जिलों में कोविड–19 के मरीजों में अधिक मृत्यु दर पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यों से कहा कि वे प्रारंभिक निगरानी, संपर्कों का तेजी से पता लगाने और शुरू में ही रोग निदान जैसे कदमों पर ध्यान केंद्रित करें ताकि इन क्षेत्रों में मौत के मामलों में कमी आ सके। हर्षवर्धन ने गुजरात के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री नितिनभाई पटेल तथा महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की।

बैठक में हर्षवर्धन ने अत्यंत गंभीर श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) और इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) के मामलों की स्क्रीनिंग और जांच जैसे उचित कदमों की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि इससे संक्रमण को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा, ''मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रभावी नियंत्रण रणनीति का क्रियान्वयन राज्यों की शीर्ष प्राथमिकता होना चाहिए। नए मामलों को रोकने के लिए सुव्यवस्थित तरीके से रोग निवारण, पहले पहल और समग्र कदम उठाना तथा केंद्र द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों का पालन करना समय की आवश्यकता है।''

बैठक में रेखांकित किया गया कि कुछ मामलों में रोगियों ने या तो अपने संक्रमित होने की जानकारी छिपाई या वे उपचार के लिए देरी से अस्पताल पहुंचे। इसकी वजह कोविड–19 को लेकर कोई डर या बदनामी की कोई आशंका हो सकती है। उन्होंने कहा कि कोविड–19 को लेकर बदनामी जैसी चीजों को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन अभियान चलाया जाना चाहिए जिससे मामलों की समय पर जानकारी मिलने, चिकित्सीय प्रबंधन और मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी।

पीएम मोदी और इथियोपिया पीएम से कोविड–19 पर चर्चा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज इथियोपिया के संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य के प्रधानमंत्री डॉ.अबिय अहमद अली के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत एवं इथियोपिया के बीच घनिष्ठ संबंधों और दोनों राष्ट्रों के बीच उत्कृष्ट विकास साझेदारी को स्मरण किया। दोनों राजनेताओं ने कोविड–19 महामारी से उत्पन्न घरेलू, क्षेत्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की और इस स्वास्थ्य संकट के दौरान एक–दूसरे के साथ एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने इथियोपिया को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने और महामारी के आर्थिक प्रभाव को कम करने में भारत की ओर से सहयोग देने का आश्वासन डॉ. अबिय अहमद अली को दिया। भारत की जनता और अपनी ओर से प्रधानमंत्री ने कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई में इथियोपिया के लोगों को सफलता मिलने की मंगल कामना

ट्रंप प्रशासन ने चिकित्सकों की चिंता नजरअंदाज करते हुए खरीदी हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा : रिक ब्राइट

वाशिंगटन । अमेरिका के एक बर्खास्त वैज्ञानिक रिक ब्राइट ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन ने भारत तथा पाकिस्तान में बिना जांच की गई फैक्ट्रियों से हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा के आयात पर अमेरिका में डॉक्टरों की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए अप्रमाणिक तथा संभावित रूप से खतरनाक मलेरियारोधी दवा की खरीद की है। व्हिसलब्लोअर्स की सुरक्षा संबंधी कार्यालय यूएस ऑफिस आफ स्पेशल

काउंसेल के समक्ष की शिकायत में रिक ब्राइट ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने खासतौर से हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन जैसी दवाइयां और निजी सुरक्षा उपकरण के संबंध में उनके तथा अन्य लोगों के संदेशों को बार–बार नजरअंदाज किया।

जब ब्राइट को बर्खास्त किया गया तब वह स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएचएस) विभाग के साथ काम करने वाली अनुसंधान एजेंसी बायोमेडिकल एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलेपमेंट एजेंसी के प्रमुख थे। शिकायत में कहा गया है कि डॉ ब्राइट पाकिस्तान और भारत से दवा के आयात को लेकर अत्यधिक चिंतित थे क्योंकि एफडीए ने दवा या उसे बनाने वाली फैक्ट्री का निरीक्षण नहीं किया था। इसमें आरोप लगाया गया है कि जिन कारखानों की जांच नहीं हुई है वहां बनने वाली ये दवाएं मिलावटी हो सकती हैं और ये दवाएं मरीजों के लिए जानलेवा भी हो सकती हैं।

ट्रंप प्रशासन ने मलेरिया के इलाज में दशकों से इस्तेमाल होती आ रही दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की करीब पांच करोड़ गोलियों का आयात किया था, जिसे मार्च में अमेरिकी खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) से आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिली थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि ट्रंप प्रशासन ब्राइट और उनके विभाग की बात सुनने का इच्छुक नहीं था।

ब्राइट ने आरोप लगाया कि उन्हें इसलिए बर्खास्त किया गया क्योंकि उन्होंने कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित समाधानों पर निधि खर्च करने पर जोर दिया न कि ऐसी दवाओं, टीकों और अन्य तकनीकों पर जो वैज्ञानिक मानकों पर खरे ही नहीं उतरते। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से अमेरिका में 70,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 12 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित पाए गए हैं।

अमेरिका– एच–1बी वीजा नियोक्ता प्रवासी कामगारों को बाजार दर से कम पारिश्रमिक दे रहे : रपट

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका स्थित दुनिया की शीर्ष टेक कंपनिया फेसबुक, गूगल, एपल और माइक्रोसॉफ्ट एच–1बी वीजा नियोक्ता प्रवासी कामगारों को बाजार दर से कम परिश्रमिक दे रही हैं।

एक नए अध्ययन के अनुसार इसके लिए यह कंपनियां अमेरिकी श्रम विभाग के 'एच–1बी कार्यक्रम' का लाभ उठा रही हैं। इकॉनोमिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट की 'एच–1बी वीजा और प्रचलित पारिश्रमिक स्तर' रपट डेनियल कोस्टा और रॉन हीरा ने तैयार की है। रपट के अनुसार शीर्ष 30 एच–1बी वीजा धारक नियोक्ताओं में अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, वालमार्ट, गूगल, एपल और फेसबुक जैसी कंपनियां शामिल हैं।

यह सभी एच–1बी वीजा नियमों के तहत काम करने वाले अपने प्रवासी कामगारों को स्थानीय एच–1बी कार्यक्रम का लाभ उठाकर बाजार दर से कम वेतन दे रही हैं। वह कम मेहनताने पर लोगों की नौकरियां भर रहे हैं। अमेरिकी श्रम विभाग एच–1बी वीजा के तहत 60 प्रतिशत कामगारों को बाजार दर से कम मेहनताने पर काम करने के लिए प्रमाणित करता है। एच–1बी कार्यक्रम इसकी अनुमति देते हैं। श्रम विभाग के पास इसे बदलने का अधिकार है लेकिन ऐसा नहीं किया गया है।

वर्ष 2019 में 53,000 से अधिक नियोक्ताओं ने एच–1बी वीजा नियम का उपयोग किया।

अमेरिका के नागरिक और आव्रजन विभाग ने 2019 में एच–1बी पर काम करने वालों की संख्या 3,89,000 तय की। इसमें प्रत्येक चार में से एक कामगार इन शीर्ष 30 एच–1बी नियोक्ताओं के यहां काम करता है। इन 30 शीर्ष नियोक्ताओं में से भी आधे सीधे एच–1बी वीजाधारक कामगार को काम पर नहीं रखते हैं बल्कि थर्ड पार्टी (किसी और कंपनी को ठेका देकर) के आधार पर काम कराते हैं।

अमेज़न गोदाम में कार्यरत एक कर्मचारी की कोरोना से मौत, कर्मचारियों ने सुरक्षा उपायों पर उठाए सवाल

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका में न्यूयॉर्क स्थित अमेज़न के एक गोदाम में कार्यरत कर्मचारी की कोरोना से मौत हो गई है। गोदाम के कर्मचारियों ने कोविड–19 से बचाव के लिए सुरक्षा उपायों की मांग की थी। ई–वाणिज्य कंपनी की प्रवक्ता लीज़ा लेवानडोस्की ने कहा, हम न्यूयॉर्क के स्टेटन द्वीप पर अपने एक गोदाम पर अपने एक सहयोगी की मौत से दुखी हैं। उन्होंने कहा हमारी उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदनाएं हैं। हम उनके सभी सहकर्मियों का सहयोग कर रहे हैं। दुनिया में कोरोना वायरस महामारी की वजह से लॉकडाउन का पालन कर रहे लोगों के लिए अमेज़न एक जीवन रेखा की तरह बन गया है। कंपनी ने कहा कि वह बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लगभग 1,75,000 नए कर्मियों को नौकरी पर रखने की प्रक्रिया में है। मगर कंपनी को गोदाम के कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं के विरोध का भी सामना करना पड़ा है।

उनका दावा है कि अमेज़न उन्हें सुरक्षित रखने में विफल रहा है। पिछले हफ्ते स्टेटन द्वीप स्थित कंपनी गोदाम के बाहर कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था। अमेज़न के उपाध्यक्ष टिम ब्रे ने कहा कि गोदाम में जिस तरह का सलूक किया जा रहा, उसके खिलाफ बोलने वाले तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के विरूद्ध उन्होंने इस्तीफा दे दिया। फ्रांस में भी अमेज़न का श्रमिक संघों से विवाद चल रहा है। उनका कहना है कि कंपनी ने कर्मचारियों को वायरस के खतरे बचाने के लिए कुछ खास नहीं किया है।

दुनिया में कोरोना से 2.60 लाख लोगों की मौत यूएस में मृतकों का आंकड़ा 71 हजार के पार

वॉशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया में चीन से फैला कोरोना वायरस अब तक 2,57,207 लोगों की जान ले चुका है और 36,62,101 संक्रमण के शिकार हैं। यूरोप में कोरोना से सबसे अधिक 1.50 लाख से अधिक यानि दो तिहाई मौते हो चुकी हैं। सुपर पावर अमेरिका कोरोना वायरस के कहर से सबसे अधिक प्रभावित है। पिछले 24 घंटों के दौरान जानलेवा महामारी की वजह से अमेरिका में 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है जबकि मंगलवार को यह संख्या एक हजार थी। यहां कोविड–19 से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 71 हजार के पार पहुंच गई है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार अमेरिका में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस की महामारी से 2,333 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका में कोविड–19 से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 71,031 पहुंच गया है, जबकि अमेरिका में वायरस से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 12 लाख 03 हजार 673 हो गई है। अमेरिका का न्यूयॉर्क कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क राज्य में ही सवा तीन लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हैं। अब तक 25 हजार पीड़ितों की मौत हो चुकी है। पड़ोसी राज्य न्यूजर्सी में भी सवा लाख से ज्यादा मामले हैं। जबकि पूरे अमेरिका में कुल 12 लाख दस हजार से अधिक लोग कोरोना की चपेट में हैं। करीब 70 हजार दम तोड़ चुके हैं। राज्य में बंद पड़ी अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने की तैयारी शुरू हो गई है।

गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने कहा कि हमेशा के लिए सब कुछ बंद रखना स्थायी नहीं है। इस बीच, अमेरिकी मीडिया में सरकार की एक आंतरिक मसौदा रिपोर्ट के हवाले से यह चेतावनी दी गई है कि देश में अगले महीने से महामारी और भयावह हो सकती है। आशंका जताई गई है कि एक जून से देश में रोजाना तीन हजार से ज्यादा मौतें होंगी और संक्रमण के दो लाख से ज्यादा नए मामले सामने आएंगे।

व्हाइट हाउस और अमेरिकी सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने हालांकि इस तरह की किसी भी रिपोर्ट से इन्कार किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेमौसम बारिशःअन्नदाता पर कुदरत की मार!

पहले से ही कोरोना महामारी के चलते खेती कार्यो और मवेशियों के चारे के लिए परेशान हो रहे किसान की बेमौसम बारिश ने परेशानी बढ़ा दी है। इस बारिश ने गर्मी से तो राहत दी लेकिन खेतो से गेहूं की तैयार फ़सल कटकर घर न आ पाने के कारण किसानों को चिंता बढ़ गई है। किसानों की रबी की फसलें खेत में पक कर तैयार हैं और कई किसानों की फसलें कट कर थ्रेसिंग के लिए भी तैयार हैं।कुछ ने समय रहते गेहूं की फ़सल काटकर थ्रेशिंग भी कर ली है। लेकिन अधिकांश किसान अभी तक अपनी फ़सलो को घर ला भी नही पाए कि मौसम की बेरुखी और बेमौसम बरसात से किसान की नींद उड़ा दी हैं। किसानों का मानना है कि अगर दो दिन लगातार बारिश हो गई, तो पक कर तैयार हुई फसलें काफी हद तक खराब हो जाएगी। इस बेमौसम बरसात से जहां खेतों में तैयार खड़ी हुई फसलों को नुकसान है, वहीं दूसरी ओर खेतों में थ्रेसिंग के लिए कटी पड़ी फसलें के भी खराब होने की स्तिथि पैदा हो गई है। मौसम की बेरुखी का असर जहां एक ओर किसानों पर हो रहा है, तो वहीं दूसरी ओर बाजारों में बिकने वाले गेहूं के खराब हो जाने से गेहूं उत्पाद में आई कमी के कारण उसके दामों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इससे आम आदमी की जेब पर खासा असर पडेगा क्योंकि सीमित आय वाले मध्यमवर्गीय लोगों का घरेलू बजट खराब करेगा।

किसान मौसम की बेरुखी का खामियाजा भुगतते रहे हैं। कभी ओलावृष्टि तो कभी बारिश से किसानों की फ़सलो को नुकसान होता है। किसान अशोक कुमार का कहना है कि पिछले वर्ष भी मौसम की बेरुखी से फसलें प्रभावित हो गई थीं और इस बार भी मौसम किसानों पर मेहरबान दिखाई नहीं दे रहा है। अगर हालत यही रही तो हमारी फसलों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है, जिससे आने वाले समय में किसान परिवारो पर रोटी रोजी का संकट पैदा हो जायेगा।

कह सकते है कि मौजूदा समय किसानों के लिए कठिन परिस्थिति का है। किसानों की फसलें खेतों में पक कर तैयार खड़ी हैं लेकिन उनकी कटाई और थ्रेशिंग में सोशल डिस्टेंसिंग भी बड़ी अड़चन का कारण बन रही है।

कोरोना वायरस महामारी बीमारी से बचने के लिए सरकार के निर्देशों के अनुरूप किसान सोशल डिस्टेंशन का पालन करते हुए अपनी फसलों को मजदूरों से कटवा रहे हैं। वह कटाई के लिए मजदूरों के बीच में लगभग 2 से 4 मीटर का फासला भी रखते हैं ।कुछ किसानों ने मजदूरों की मदद से फसल को कटवा कर उसे शोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए थ्रेसर के माध्यम से अपनी उपज को निकालने की सारी तैयारी कर ली थी लेकिन मौसम ने व्यवधान पैदा कर दिया। हालांकि, किसानों की मानें तो सोशल डिस्टेंसिंग के कारण खेती किसानी के काम में काफी देरी हुई है।

पिछले चार महीनों से फसल को उगाने में जुटे किसानों की मेहनत एक झटके में तबाह हो जाने से किसानों में निराशा व्याप्त है। बारिश ही नहीं ओलावृष्टि ने भी किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। क्योंकि जब फसल को काटने का समय निकट आया तो ओलावृष्टि व बारिश की वजह से खड़ी फसल तबाह हो गई। खेतों में पानी भर गया।

कुछ किसानों ने तो फसल काट भी ली थी लेकिन अचानक हुई बारिश ने किसानों को संभलने का मौका तक नहीं दिया।किसानों का कहना है कि जिन खेतों में फसले काटी जा चुकी है, वहां पड़े गेहूं के गट्ठर बारिश की वजह से खराब हो जाएंगे। ऐसे में पकी हुई फसल खुद–ब–खुद खराब हो जाएगी और वह हमारे कुछ काम नहीं आएगी। जिसका मतलब साफ है कि किसानों के मौजूदा समय किसी संकट से कम नहीं है।

कई गांव के किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल टूट कर खेत में बिछ गई है, जिससे बालियों के दाने झड़ कर मिट्टी में मिल गए हैं. इससे उन्हें फसल काटने में काफी परेशानी हो रही है. खेतीहर मज. दूरों ने फसल कटाई की मजदूरी भी बढ़ा दी है. क्योंकि गिरी हुई फसल को काटना आसान नहीं होता है.

अन्नदाता किसान का कुदरत कड़ा इम्तिहान ले रही है।खेती के लिए लिया बैंक का कर्ज, बच्चों की पढ़ाई का खर्च,बेटी की शादी का सपना सब कुछ खेती पर ही निर्भर है, लेकिन कुदरत ने किसान को हर मोर्चे पर निराश करने का काम किया है। बारिश ने किसान के खेत को ही नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को चोटिल करने का काम किया।जिससे संभलना बहुत कठिन है।

कुदरती त्रासदी ने किसानों का चैन छीन लिया है। बैंक का कर्ज कैसे भरा जाएगा, बेटों बेटी की पढ़ाई किस प्रकार होगी, बेटी के हाथ कैसे पीले होंगे, किसानों को कुछ समझ में ही नहीं आ रहा है, ले–देकर सबकुछ रबी की फसल पर भरोसा किया था,जो टूट चुका है।मौसम की इस मार से उत्तराखंड में करीब दो सौ करोड़ रुपये की उपज बर्बाद होने का अनुमान है। मौसम की मार झेलकर टूट चुके अन्नदाताओं ने खून–पसीना बहाकर गेंहू समेत रबी की अन्य फसलें किसी तरह तैयार की थी। खेतों में लहलहा रही फसलों में दाने भी अच्छे पडे हुए थे। इसी बीच मौसम की मार पड़नी शुरू हो गई। मार्च महीना शुरू होते ही मौसम डरावना होने लगा। अभी 2 दिन पहले ही बेमौसम बारिश और तेज हवाओं के कारण गेंहू समेत ज्यादातर फसलें गिर गई थी। अब फिर हुई बारिश के कारण फसल गिरने व भीग जाने से करीब 30–40 प्रतिशत तक फसलों का नुकसान हुआ है। इस बर्बादी को देख किसानों के आंसू थम नहीं नही रहे है। गेहूं की जो फसल काटी नही जा सकी वह गिरकर पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। इससे बाली में पड़े दाने कमजोर हो जाएंगे। मौसम की इस मार से अब किसानों का उबरना मुश्किल है।

बारिश के कारण खेतों में खड़ी गेहूं की फसल जलमग्न हो गई है। वहीं सब्जी की फसल को भी भारी बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। तराई के क्षेत्रों में जहां गेहूं और सरसों की फसल बारिश के कारण बर्बाद हुई है, वहीं पहाड़ पर सब्जी की फसल को भी खासा नुकसान पहुंचा है।

कोरोना वायरस के कारण जारी लॉकडाउन से लोगों को खासा नुकसान हुआ है। एक महीने से छोटे से लेकर बड़ा कारोबार तक सबकुछ ठप पड़ा है। संकट की इस घड़ी में किसानों को उम्मीद थी कि फसल की पैदावार अच्छी हो जाए तो काफी कुछ सहेज लिया जाएगा। लेकिन मौसम ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया है। बहुत सारे किसानों की फसल कटकर खेत में पड़ी है, तो बहुतों की खेत में खड़ी है। बेमौसम बारिश के कारण इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इस बार पैदावार पर असर पड़ना लाजमी है। आसमान में अब भी बादलों का डेरा है। मौसम साफ होने के बाद ही नुकसान का ठीक–ठीक आकलन किया जा सकेगा। वहीं किसानों के आंसू पोछने के लिए अभी तक सरकार ने कोई राहत भरी घोषणा नही की है।जो गम्भीर चिंता का विषय है।

(विचार–मंथन)

चिंता बढ़ा रहा आंकड़ा

(लेखक– सिध्दार्थ शंकर)

भारत में अब तक 40 से ज्यादा दिनों से जारी लॉकडाउन के बाद कोरोना वायरस की रफ्तार धीमी जरूरी हुई है, लेकिन अब भी बहुत ज्यादा है। इसे इस बात से समझ सकते हैं कि भारत में डेली ग्रोथ रेट अब अमेरिका, इटली, ब्रिटेन जैसे कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों से भी ज्यादा है। आइए, आंकड़ों के जरिए समझते हैं कि दुनिया के बाकी देशों और भारत में इस समय वायरस के संक्रमण की क्या स्थिति है। अगर कोरोना सक्रमण से सबसे बुरी तरह प्रभावित प्रभावित 20 देशों में डेली ग्रोथ रेट देखें तो भारत में वायरस बहुत ही तेज रफ्तार से फैल रहा है। लॉकडाउन के बावजूद कोरोना की यह रफ्तार अब चिंता बढ़ाने वाली है। 22 मार्च को भारत में एवरेज डेली ग्रोथ रेट 19.9 प्रतिशत था। उस वक्त इटली को छोड़कर अमेरिका, रूस, ब्राजील और ब्रिटेन जैसे देशों में डेली ग्रोथ रेट भारत से काफी ज्यादा थी। हालांकि, देशव्यापी लॉकडाउन के बाद भारत में कोरोना के मामलों की डेली ग्रोथ रेट लगातार गिरने लगी। लॉकडाउन 2.0 के आखिरी दिन यानी 3 मई को डेली ग्रोथ रेट घटकर 6.1 प्रतिशत आ गई। इससे तो अच्छी तस्वीर उभर रही है लेकिन जब दूसरे देशों से तुलना करते हैं तब यही आंकड़ा डराने वाला महसूस होता है। 3 मई की बात करें तो भारत में डेली ग्रोथ रेट इटली (1.0 फीसदी) के मुकाबले 6 गुना है। अमेरिका (2.7) और ब्रिटेन (3.0 फीसदी) के मुकाबले 2 गुना है। डेली ग्रोथ रेट के मामले में सिर्फ रूस (7.5 फीसदी) और ब्राजील (7.4 फीसदी) ही भारत से ऊपर हैं। देश के कई राज्यों में अब हालात काबू में होने के बजाय बिगड़ते जा रहे हैं। आंकड़ों पर न जाया जाए, तो हकीकत यह है कि इन राज्यों में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार तेजी से सरकारों के हाथ–पैर फूल रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों ने लॉकडाउन में सीमित ढील देकर आमजन को राहत पहुंचाने की पहल भले की हो, लेकिन राजधानी दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों में कोरोना संक्रमितों के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। देश में पिछले पांच दिनों में दस हजार से ज्यादा लोगों का कोरोना संक्रमित पाया जाना इस बात की पुष्टि करता है कि बीमारी फैलने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक कम नहीं पड़ रही है।

ऐसे में इस बात से कतई इंकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है। हालांकि सरकार की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि भारत में कोरोना से मृत्युदर दुनिया में अब तक सबसे कम है, संक्रमित लोगों की संख्या को लेकर भी भारत की स्थिति बहुत ज्यादा खराब नहीं है। लेकिन यह सच्चाई भी छिपी नहीं है कि भारत में कोरोना की जांच दर सबसे कम है। ऐसे में महामारी के वास्तविक आकलन के बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी कह पाना आसान नहीं है।

दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश आदि ऐसे राज्य हैं जहां हालात काबू में होने के बजाय बिगड़ते जा रहे हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए ही देश के कोरोना प्रभावित हिस्सों को तीन हिस्सों में बांटा गया है और उसी के अनुरूप सीमित दायरे में सशर्त छूट देने का फैसला हुआ। लेकिन सोमवार को पहले ही दिन लॉकडाउन की इस छूट में जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली, उसने तो चिंता और बढ़ दी। पहले ही दिन देश के ज्यादातर शहरों में शराब की दुकानों के बाहर जिस तरह से भीड़ उमड़ी और सुरक्षित दूरी व मास्क पहनने जैसे अत्यावश्यक नियम की धज्जियां उड़ाई गईं, उससे पुलिस और स्थानीय प्रशासन सकते में आ गया और कई जगह लाठीचार्ज तक करना पड़ गया। ऐसे में तो संक्रमण फैलने का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। यह ठीक है कि अब पूर्णबंदी से बाहर भी निकलना है, लेकिन लग रहा है कि इस पर अमल के तरीके क्या हों, इसे लेकर सरकारों के पास पुलिस तंत्र के अलावा कोई विकल्प नहीं है। लाल, नारंगी और हरा क्षेत्र चिह्नित करने को लेकर भी अभी एकराय नहीं दिख रही। लेकिन अगर ढील के नियमों की अनदेखी होती रही तो महामारी को फैलने से कोई नहीं रोक पाएगा।

संभावित शीर्षक

चाचा हो या काका, मदिरा ही सबकी आका ।
लॉकडाउन की छूट–शराब की मची लूट ।
पहले 'तबलीगी जमात' अब 'तलबलगी जात' ।
जान है तो जहान है, मदिरा है तो प्राण है ।

45 दिनों की सख्त तालाबंदी को महज एक दिन में ध्वस्त कर लिया । सोशल डिसटैन्सिंग का मखोल बना दिया। यह कैसा दोगलापन है । पहले कोरोना योद्धाओ के ऊपर पुष्प वर्षा की जाती है फिर मदिरालय खोलकर कोरोना को खुला निमत्रण । कोरोना योद्धा अपने घर परिवार से दूर रहकर हम सबके लिए अपने प्राणों को हथेली पर लिए सेवा कर रहे हैं , कम से कम उनका दर्द तो ज़हन में आया ही होगा , वावजूद इसके , बिना किसी सख्त ,जरूरी निर्देशों के तहत सरकार ने कैसे खुली छूट दे दी ? कहाँ गए वो सब हर रोज के दिशा निर्देश ,चेतावनी और कोरोना से सम्बंधित सुझाव और प्रस्ताव । यह कैसा आदेश था , कौनसी रणनीति के तहत मधुशालाएं खोली गयीं । राजस्व प्राप्ति के चक्कर में कोरोना को खुला निमंत्रण देकर सरकार ने अपने दायित्वों का भार कई गुना कर लिया है । जहां एक ओर जनता ने ताली,थाली ,दीप, ध्वनि इत्यादि से सरकार का प्रोत्साहन किया उसके एवज में मधुशलाएं अभी तक ''तबलीगी जमात'' का ही रायता नहीं समेट पाये की ''तलबलगी जात'' ने और रायता बिखेर दिया । अब इस ''तलबलगी जात'' के कोरोना विस्फोट से कैसे बचोगे । मदिराप्रेमी ने भी एक बोतल के लिए पूरा परिवार ताक़ पर रख दिया । मदिरा पान के लिए घर परिवार.नियम,कोरोना, तालाबंदी सब दरकिनार कर दिया । आर्थिक संकट से जूझता देश के लिए केवल राजस्व प्राप्ति का यही एक मात्र साधन है , इस तरह तो हम अपनी नयी पीढ़ी को सीधे सीधे तौर पर नशा ,तस्करी के गर्त में धकेल रहे हैं । क्या सन्देश दिया सरकार ने भावी पीढ़ी को ? सरकार को आर्थिक स्तिथि से निबटने के लिए कठोर कदम उठाने होने और भविष्य में आने वाले महामारी के लिए कमर कसनी होगी ।

लेखिकाः युक्ति वार्ष्णेय ''सरला''
मुरादाबाद , उत्तर प्रदेश

आज का इतिहास 7 मई

1703 मालबोरो के डयूक के के नेतृत्व में वान पर कब्जा किया गया.
1777 अमेरिकी युद्धपोत सरप्राइज ने इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश जहाज प्रिंस ऑफ ओरेंज को कब्जे में ले लिया.
1821 अंग्रेजी के कवि राबर्ट ब्राउनिंग का जन्म हुआ.
1848 प्रसियाई फौजों ने बारसा में विद्रोह का दमन किया.
1861 कविवर रवींद्रनाथ टैगोर का का जन्म हुआ.
1907 मुम्बई में ट्राम कार पहली बार चली.
1915 जर्मनी ने ब्रिटिश जहाज लुसिआनिया को 1100 व्यक्तियों सहित आयरिश समुद्र तट से काफी दूरी पर डूबो दिया.
1970 सोमालिया ने सभी विदेशी तेल कंपनियों और बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर लिया.
1973 अरुणाचल की नई राजधानी ईटा नगर की आधारशिला रखी गयी.
1990 नार्वे के दो व्यक्ति कुत्तों को साथ लिए बिना उत्तरी ध्रुव पर पहुचने में सफल हुए.
1994 कपड़ा उद्योगपति सुनील खटाऊ की मुंबई में गोली मार कर हत्या.
1994 ध्रुपद के महान गायक नसीर जहीरुद्दीन डागर का 62 वर्ष की आयु में निधन.
2000 नौएडा के भाजपा के उपाध्यक्ष अतर सिंह शर्मा की हत्या.
2002 पोटा के खिलाफ झारखंड में भारी हिंसा, 15 पुलिसकर्मी मरे.

आज का कार्टून।

प्रसंगतः त्याग का तप

जब मेघनाद के शक्ति बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए, तो विभीषण की राय पर हनुमान सुषेन वैद्य को ले आए। वैद्य जी ने हिमालय से संजीवनी बूटी लाने की सलाह दी, पर यह शर्त भी रखी कि अगर सूर्योदय से पहले लक्ष्मण को संजीवनी नहीं पिलाई गई तो वह जिंदा नहीं बचेंगे। यह काम हनुमान को सौंपा गया। जब हनुमान पूरे धवल गिरि को उठाए अयोध्या से गुजर रहे थे, तो उन पर भरत की दृष्टि पड़ गई। भरत ने सोचा कि राम की अनुपस्थिति में कोई राक्षस अनिष्ट करने की मंशा से राज्य के ऊपर मंडरा रहा है। उन्होंने धनुष-बाण उठाया और हनुमान पर निशाना साध दिया। बाण लगते ही हनुमान धरती पर आ गिरे और कुछ क्षणों के लिए अचेत हो गए। भरत को बहुत ग्लानि हुई। कुशल क्षेम पूछने के बाद भरत ने कहा,' आपको सूर्योदय से पहले लंका पहुंचना है और दूरी बहुत ज्यादा है। मेरे बाण पर बैठ जाइए, इससे आप तुरंत ही राम के पास पहुंच जाएंगे।' हनुमान ने कहा, 'राम का नाम लेने में जितनी देर लगती है, उतने ही समय में मैं लंका पहुंच जाऊंगा।' इस बीच सभी रानियां भी आ गईं। दुखद समाचार सुनने के बाद कौशल्या ने राम के लिए संदेश दिया कि चाहे जो हो जाए, अगर लक्ष्मण जीवित न बचा तो तुम भी कभी अयोध्या मत आना। इसके बाद कैकेयी ने कहा, 'राम! वन में भटकते-भटकते बहुत दिन बीत गए हैं। अब तुम अयोध्या लौट आओ, अब मैं भरत को तुम्हारी जगह युद्ध के लिए भेज रही हूं।' सुमित्रा से रहा नहीं गया। वह बोलीं, 'लक्ष्मण के प्राण नहीं बचे तो कोई बात नहीं। तुम चिंता मत करना। उसका एक भाई शत्रुघ्न है, जल्दी से स्थिति के बारे में बताओ ताकि मैं तुम्हारी सेवा में उसे भेज सकूं।' उनकी बातें सुनकर हनुमान ने सोचा कि जहां एक-दूसरे के लिए त्याग की ऐसी भावना हो, वहां सभी संकट स्वतः कट जाएंगे।

दैनिक पंचांग

07 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	5.52 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	7.50 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	10.04 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.20 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	14.32 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.43 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.57 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	21.13 बजे से
केतु	धनु में	मकर	23.18 बजे से
		कुंभ	1.05 बजे से
		मीन	2.38 बजे से
		मेष	4.08 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2020 वर्ष का 128 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 16.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 11.07 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 16.40 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 5.59 बजे, बव 16.15 बजे तदनन्तर बालव 02.36 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 53'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870511
जूलियन दिन 2458976.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441 **महीना** रमजान
तारीख 13 **विशेष** वैशाख पूर्णिमा, कूर्म जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महर्षि भृगु व टेकचंद महाराज जयन्ती, गुरु गोरखनाथ प्रकटोत्सव।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राजकाज

पाकिस्तान सकते में

पड़ोसी देश पाकिस्तान लगातार ऐसे उकसावे वाले काम कर रहा है, जिनसे दोनों देशों के बीच तनाव तीखा हो सकता है। शांति की जो कुछ उम्मीदें बची हैं, वे भी इस तरह के विवादों से धूमिल पड़ सकती हैं। हाल में पाकिस्तान ने जानते–बूझते एक बार फिर गिलगित–बाल्टिस्तान को लेकर गतिविधियां शुरू कर दीं। इस क्षेत्र में चुनाव कराने के पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दोनों देशों के बीच फिर एक और मोर्चे पर तनाव पैदा हो गया है। पाकिस्तान की बौखलाहट अब ज्यादा इसलिए भी बढ़ रही है कि पिछले साल भारत ने जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी कर इसे केंद्रशासित प्रदेश बना दिया था। भारत के इस कदम से पाकिस्तान सकते में है।

घर लौटने की बेचैनी

एक बार फिर देश के विभिन्न हिस्सों से प्रवासी मजदूरों के अपने घरों की ओर लौटने की बेचैनी सड़कों पर नजर आने लगी है। सूरत, बेंगलुरू, दिल्ली, मुंबई, हर कहीं लोग अपने घर लौटने की मांग करते हुए प्रशासन को चुनौती देने लगे हैं। अभी कोरोना संक्रमितों की संख्या घटने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में सरकारों की चिंता है कि अगर लोगों को घर लौटने की खुली छूट दे दी गई, तो संक्रमण का चक्र तोडने की मंशा धरी रह जाएगी। इसलिए बंदी के तीसरे चरण में शर्तों के साथ छूटें दी गई हैं। पर लोगों का सब्र अब टूटने लगा है।

काम करने की इजाजत

पूर्णबंदी के चालीस दिन बाद आखिरकार जिंदगी अब खरामा खरामा अपने पुराने रास्ते लौटनी शुरू हो गई है। सरकार ने कोरोना मामलों के मद्देनजर जिलों को लाल, नारंगी और हरा क्षेत्रों में बांट कर सेवाओं और कामकाज की बहाली की इजाजत दे दी है। बंदी की वजह से कारोबारी गतिविधियां ठप पड़ गई थीं, कल–कारखाने ठहर गए थे। ऐसे में उद्योग जगत का दबाव था कि बंदी को लंबे समय तक आगे न बढ़ाया जाए। मगर जिन राज्यों में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और उस पर अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है, उनका दबाव था कि बंदी को और आगे बढ़ाया जाए।

अमेरिका का आरोप

कोरोना विषाणु दुनिया में कैसे फैला, इसे लेकर अभी साफ तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। किसी भी देश को अभी तक ऐसा कोई सुराग हाथ नहीं लगा है, जिससे यह पुख्ता संकेत मिलता हो कि किसने इसे फैलाया, या फिर यह अपने आप ही फैलता गया। हालांकि पिछले एक महीने से अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में कोरोना महामारी फैलाने के लिए जिस तरह से चीन को जिम्मेदार ठहराते आ रहे हैं, उससे एक बात तो साफ हो गई है कि ट्रंप चीन को छोडने वाले नहीं हैं। पिछले हफ्ते ट्रंप ने साफ तौर पर कहा कि यह विषाणु वुहान की प्रयोगशाला में ही बनाया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काशी में सोशल डिस्टेंसिंग का अनूठा तरीका, कतार में लगी शराब की खाली बोतलें

वाराणसी (ईएमएस)। लॉकडाउन में भरी शराब की बोतलों की अहमियत कोई शराब का शौकीन ही बता सकता है, लेकिन क्या आप अंदाजा लगा सकते हैं कि खाली शराब की शीशियां और बोतलें किस तरह लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का संदेश सकती हैं?तब इसके लिए वाराणसी की शराब दुकान से आई तस्वीरों पर गौर करें। यहां बड़ी ही खूबसूरती से गोल–चौकोर घेरों में शराब की खाली बोतलों–शीशियों को इसकारण खड़ा किया गया है, ताकि इंसान से इंसान की दूरी बनी रहें।

इसके बाद किनारे दूसरी तरफ खड़े शराब के तल्बी लोगों को सेल्समैन शराब की शीशियों पर लिखे नंबरों के मुताबिक, पुकारकर आवाज देता और खरीदार उन खाली नंबर लिखी शीशियों को उठाकर सेल्समैन को दिखाकर शराब खरीद पाते।

इस तरीके की शराब खरीदने आए लोगों ने जमकर तारिफ कर बताया कि इससे न केवल सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार है, बल्कि उन्हें भी कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा है। शहर के रामकटोरा पर स्थित शराब की दुकान पर काम करने वाले सेल्समैन आकाश ने बताया कि कबाड़ में पड़ी खाली शीशियों पर नंबरिंग की गई और फिर उस सोशल डिस्टेंसिंग के बने घेरों पर रख दिया। अब आसानी से खरीदार नंबर के मुताबिक आकर शराब खरीदकर जा रहे हैं। इसका फायदा ये है कि सोशल डिस्टेंसिंग के साथ भीड़ पर नियंत्रण हो गया।

नौ और मिले कोरोना पॉजिटिव, एक ही परिवार के छह लोगों में मिला संक्रमण

वाराणसी (ईएमएस)। जिले में बुधवार को नौ और लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसमें छह लोग एक ही परिवार के हैं। अन्य तीन भी पहले से पॉजिटिव लोगों के परिवार वाले ही हैं। नए मामलों के साथ ही वाराणसी में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है। वहीं दूसरी ओर धार्मिक नगरी के आठ हॉटस्पॉट से लिये गए सभी सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। जिला प्रशासन के अनुसार चार मई को वाराणसी से 171 सैम्पल लखनऊ स्थित केजीएमयू भेजे गए थे। इसमें बुधवार की सुबह 162 लोगों की रिपोर्ट मिली। इसमें से नौ लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव और 153 की निगेटिव है। इसमें से अभी नौ लोगों की रिपोर्ट मिलनी बाकी है।

बताया जाता है कि नौ नए पॉजिटिव लोगों में छह लोग जैतपुरा के बुनकर के परिवार वाले हैं। जैतपुरा के बुनकर ने तबीयत बिगड़ने पर जामिया अस्पताल में इलाज कराया था। वहां से उसे बीएचयू भेजा गया। जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसके परिवार वालों की सैंपलिंग हुई। बुधवार को आई रिपोर्ट में पता चला कि उसके दो भाई, दो भाइयों की पत्नियां, एक भतीजा और एक भतीजी पॉजिटिव हैं। इसी तरह मदनपुरा के एक पॉजिटिव मरीज का बेटा और बहू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। नौवीं पॉजिटिव रिपोर्ट बीएचयू में भर्ती है लल्लापुरा की महिला की है। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा के अनुसार कुछ दिनों से लगातार हॉटस्पॉट इलाकों में बड़े पैमाने पर सैंपलिंग की जा रही है। बुधवार को आई रिपोर्ट में हॉटस्पॉट क्षेत्र सूजाबाद, शिवाजीनगर, गोला चोलापुर, जेरगुलर, हरतीरथ, छोटी पियरी, काशीपुरा, सीरगोवर्धन से भेजे गए सभी रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। वहीं, एल–2 फैसिलिटी के पैसिव क्वारंटाइन में रखे गए 51 मेडिकल स्टाफ की दोबारा हुई सैंपलिंग की रिपोर्ट भी निगेटिव आई है।

पत्नी की हत्या कर की खुदकुषी

लखनऊ (ईएमएस)। राजधानी के ठाकुरगंज क्षेत्र में घरेलू कलह से तंग आकर एक युवक ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और खुद भी फांसी लगा ली। इससे पहले उसने अपने भाई को फोनकर आत्महत्या करने की जानकारी दी। दंपती के दो मासूम बच्चे भी हैं। जानकारी के मुताबिक ठाकुरगंज में बरौरा हुसैनबाड़ी में रहने वाले गजेंद्र ने पत्नी रूबी की हत्या कर फांसी लगा ली। गजेंद्र मूलरूप से आगरा के रहने वाले थे और यहां किराए के कमरे में रहते थे। गजेंद्र ने अपने भाई को मंगलवार रात में फोन किया था और कहा था कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। बुधवार सुबह गजेंद्र के भाई ने ठाकुरगंज पुलिस को फोन कर इसकी जानकारी दी। पुलिस गजेंद्र के घर पहुँची तो वहां पति पत्नी के शव मिले। एडीसीडीपी पश्चिम विकास चंद्र त्रिपाठी के मुताबिक पति पत्नी में पहले से विवाद चल रहा था। घर मे दो बच्चियां भी मौजूद थीं। पूछताछ में बच्चियों ने बताया है कि मंगलवार रात में माता–पिता के बीच झगड़ा हुआ था। गजेंद्र टाइल्स लगाने का काम करता था।

लापता किषोर का शव मिला

बाराबंकी (ईएमएस)। जिले में दो दिन से लापता किशोर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में झाड़ियों से बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि मृतक के तन पर सिर्फ दो ही कपड़े थे। उसकी गला कसकर और गोली मारकर हत्या की गई थी। इस मामले में तीन सगे भाइयों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ है। जानकारी के मुताबिक रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पूरे डीह मजरे महुलारा निवासी भारत का पुत्र तिलकराम (15) चार मई की शाम को संदिग्ध हालात में लापता हो गया। तलाश में जुटे परिवारजन को तिलकराम का शव बुधवार सुबह गांव के बाहर स्थित बाग में झाड़ियों के बीच पड़ा मिला। तिलकराम के मुंह में कपड़ा ठूसा हुआ था और गला रस्सी से कसा था। अर्धनग्न अवस्था में किशोर का शव पड़ा मिला। उसके पेट में गोली लगने का निषान था। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि चार मई को ही गांव के राजेश शुक्ल, राजकुमार व संजीव उर्फ संजू शुक्ला पुत्रगण मनोरम से शराब के नशे में विवाद हुआ था। जिन्होंने हत्या की धमकी भी दी थी। पुलिस ने राजेश के घर पर दबिश दी थी पर तीनों भाई नहीं मिले थे। एसपी ने बताया कि तीनों भाइयों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

तूफान व बारिश के चलते दर्जनों गांवों की विद्युत आपूर्ति पर लगा ब्रेक 24 घंटो से नही मिली बिजली, ग्राम वासियों का फूटा गुस्सा

बाराबंकी । कोठी क्षेत्र में मगंलवार तूफान की तबाही व बारिश ने बुधवार को दजर्नों गांवों की विद्युत आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया। ऐसे में फोन की बैट्री डिस्चार्ज होने से उपभोक्ताओं को खासा परेशानी हुई। जबकि लो बोल्टेज से उपभोक्ताओं के विद्युत उपकरण फूक गए। शिकायत के बाद विद्युत व्यवस्था ठीक कराई गई। कोठी थाना क्षेत्र के माध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के रामसनेहीघाट व हैदरगढ डिवीजन के गांवों इब्राहिमाबाद, भानमऊ, सैदहा, सैदनपुर, माझियवां, दुराजपुर, धौराहरा, मिर्जापुर, बरगदहा, गडरियायनपुरवा कारेदेवन, भुलभुलिया व कोटवा आदि गांवों में बारिश और तूफान से चरमराई विद्युत व्यवस्था बुधवार तक ठप रही। इसमें मोहना फीडर से इब्राहिमाबाद होने वाली विद्युत आपूर्ति सैदहा गांव में 3 पोल से विद्युत तारों टूटने से आपूर्ति बाधित है। वही कोठी के खुशहालीपुरवा में हाई वोल्टेज विद्युत लाइन के 2 पोल गिरने से आपूर्ति बाधित है। जबकि कई गांवों में लो बोल्टेज की समस्या रही। इस दौरान पढाई करने वाले बच्चों, ग्रहणियों व जरूरतमंद लोगों को समस्या हुई। स्थानीय गांव निवासी राम किशोर, संजय, सियाराम, उस्मान, अमित मिश्र, बल्ले अवस्थी आदि लोगों ने बताया कि बिजली के अभाव में फोन की बैटरी डिस्चार्ज होने से दिक्कतें हुई। उधर, धूप नहीं खुलने से सोलर पैनल की बैट्री डिस्चार्ज होने से गांव की गालियां में अंधेरा छाया रहा। जबकि कार्यालय, बैंक व थाना परिसर में इंवाटर की बैट्री डिस्चार्ज हो गई। जिससे जगनेटर का सहारा लेना पडा। जबकि स्थानीय स्तर के अधिकारियों ने बताया कि तूफान से कई जगहों से विद्युत पोल गिरने की सूचनाएं मिली हैं। जिन्हें ठीक कराया जा रहा है। इस संबंध में अधिशासी अभियंता सतेन्द्र पांडे ने बताया कि सिद्धौर क्षेत्र में 65 विद्युत पोलों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली थी जिनमें से अधिकांश को मरम्मत कराया गया है इन गांवों में विद्युत आपूर्ति जारी कर दी गई है वहीं जहां शिकायत मिल रही है उन क्षेत्रों में कर्मियों को भेजकर लोकल फाल्ट को ठीक कराया जा रहा है।

लॉकडाउन उल्लंघन पार्षद को पड़ा महंगा, 6 लोगों पर केस दर्ज

गाजियाबाद (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में लॉकडाउन के दौरान सड़क पर दल–बल के साथ घूमने पर अकबरपुर–बहरामपुर के पार्षद समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पार्षद एक कार में सोमवार को 5 साथियों के साथ निकले थे। पुलिस के मना करने पर भी वह नहीं रुके तो पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, वार्ड–35 अकबरपुर बहरामपुर के पार्षद पिंटू सिंह सोमवार को एक कार में अपने साथ पांच लोगों को लेकर घूमने निकल गए थे। चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों ने जब विरोध किया तो उन्होंने अनसुना कर दिया। विजयनगर थाना प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र चौबे ने बताया कि पार्षद समेत छह लोगों के खिलाफ धारा–144 के उल्लंघन के आरोप में केस दर्ज किया है। सड़कों पर नियमों के अनदेखी कर दौड़ रहे 910 वाहन चालकों का चालान किया और 21 वाहन सीज किए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि दुकानों पर लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने पर 462 दुकानदारों को येलो कार्ड दिया गया। प्रशासन ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए मंगलवार को चार नए हॉटस्पॉट बनाए हैं। अब जनपद में कुल हॉटस्पॉट की संख्या 16 हो गई है। इसमें रेड जोन में 14 और ऑरेंज जोन में दो हैं।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय का कहना है कि पिछले दिनों मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र में कोरोना से संक्रमित मरीज मिले थे। तब दोनों क्षेत्र में प्रशासन ने संक्रमण रोकथाम के प्रयास बढ़ा दिए। संक्रमित क्षेत्र के चारों क्षेत्र को हॉटस्पॉट घोषित कर क्षेत्र को सील किया गया है। मुरादनगर के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में गांव पुर्सी का गुप्ता मार्केट, चामुंडा की ईदगाह बस्ती और सक्को वाली गली शामिल है। वहीं मोदीनगर का आलोक पार्क कॉलोनी को भी हॉट स्पॉट घोषित किया है। पिछले दिनों यहां रहने वाले रोडवेज अधिकारी पॉजिटिव पाए हैं।

यूपी में तेल पर बढ़ा वैट, पेट्रोल दो तो डीजल एक रुपए प्रति लीटर हुआ महंगा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लॉकडाउन के चलते हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोलियम पदार्थों पेट्रोल व डीजल पर वैट बढ़ा दिया है।

इससे यहां पेट्रोल दो रुपए और डीजल एक रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि वर्तमान में 71.91 पैसे रुपए पेट्रोल की कीमत है दो रुपए महंगा होने के बाद यह 73.91 पैसे हो जाएगा।

डीजल की कीमत 62.85 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 63.86 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी।

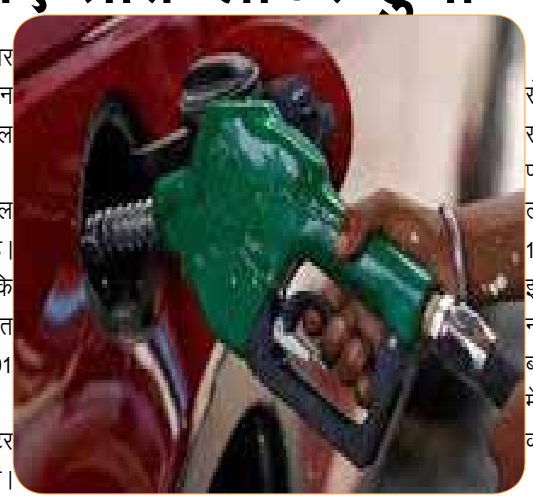

नई कीमतें बुधवार रात 12 बजे से लागू होंगी। इससे पहले केंद्र सरकार ने मंगलवार रात को पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिया। इसका ग्राहकों की जेब पर बोझ तो नहीं पड़ा, लेकिन इस बढ़ोतरी के बाद लोगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की घटी कीमतों का कोई भी फायदा नहीं मिल पाएगा।

दो पक्षों में हुआ विवाद एक की हुई मौत

सीतापुर ब्यूरो की रिपोर्ट ! रामपुर मथुरा सीतापुर कुंआ पाटने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के एक व्यक्ति की मौत जबकि दूसरे पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ,पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए कब्जे में ले लिया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई है । उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी ने गांव जाकर स्थिति का जायजा लिया । लगभग 12 बजे एडिशनल एस पी महेन्द्र प्रताप चौहान भी मौके पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया

थाना क्षेत्र के ग्राम असईपुर में रास्ते के किनारे ग्राम पंचायत द्वारा लगभग 40 वर्ष पूर्व बनवाए गए कुंए को छोटानी पुत्र लाले आदि ने पाट दिया था, जिसे खुदवाने को लेकर दूसरा पक्ष लल्लू पुत्र नीलकंठ लगातार प्रयास कर रहा था , डायल 112 पुलिस के द्वारा भी छोटानी पक्ष से कुआं की सफाई करने को कहा था , परंतु छोटानी पक्ष द्वारा केवल 3 फीट तक ही कुएं की सफाई की गई थी आगे सफाई करने से मना कर दिया गया था, इसी बात को लेकर सोमवार की शाम को दो पक्षों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई जिसमें लल्लू के बेटे त्रिभुवन को गंभीर चोट लग गई , जिसे ठेलिया में लादकर अस्पताल लेकर चले गए यह जानकारी पाकर चोटिल पक्ष के लोग एकत्रित हो गए और दूसरे पक्ष से गाली गलौज की उसके बाद मारपीट होने लगी जिससे छोटानी पुत्र लाले के सर पर गंभीर चोट लगी छोटानी के परिजन उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर मथुरा गए । वहाँ उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर दीपक भदौरिया ने उन्हें जिला मुख्यालय रिफर कर दिया परंतु छोटानी के परिजन रात का हवाला देते हुए उन्हें अपने घर ले जाने की जिद करने लगे और वहाँ से घर ले आए, जहां रात में उनकी मौत हो गई । सुबह रामपुर मथुरा थाने की पुलिस ने छोटानी के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है असईपुर गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस को तैनात कर दिया गया है । उपजिलाधिकारी महमूदाबाद गिरीश कुमार झा तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी अखंड प्रताप सिंह व एडिशनल एसपी महेन्द्र प्रताप चौहान ने घटनास्थल पहुंचकर मौका मुआयना किया है ।

दोनों पक्षों की ओर से थाना रामपुर मथुरा में तहरीर दी गई थी । जिसमें मुस्लिम पक्ष की ओर से मुसरी उर्फ मुसुरुद्दीन पुत्र छोटानी,छोटानी पुत्र लाले, गडऊ पुत्र छोटानी व उस्मान पुत्र मुसरी के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 94 बटा 20 धारा 323, 504 पंजीकृत किया गया था ।

तथा पक्ष की ओर से लल्लू पुत्र नीलकंठ ,त्रिभुवन पुत्र लल्लू के विरुद्ध मुकदमा संख्या 143 बटा 20 धारा 323, 325, 504 IPC व 302 का अभियोग पंजीकृत हुआ

यूपी में तेज आंधी–तूफान और बेमौसम बारिश ने किसानों को मुश्किल में डाला, हादसों में 14 लोगों की मौत

लखनऊ (ईएमएस)। आमतौर पर मई के माह में चटख धूप और तपती हवाएं लोगों को परेशान करती हैं, लेकिन इस बार पिछले दो दिनों से यूपी आंधी और बारिश से बेहाल है। इस दौरान राज्य में तेज आंधी–तूफान और बेमौसम तेज बारिश ने किसानों के लिए बड़ी मुश्किल पैदा कर दी। इस दौरान हुए विभिन्न हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई है, जबकि अनेक लोग घायल हैं।

राज्य के कई हिस्सों में आंधी–तूफान के साथ तेज वर्षा और ओलावृष्टि हुई। मौसम की मार से गेहूं और आम की फसल को काफी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने बुधवार और गुरुवार को भी पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी–बारिश होने की संभावना जताई है। प्रदेश में तेज आंधी और बारिश की वजह से हुए हादसों में 14 लोगों की मौत हो गई है। इनमें से चार लोगों की मौत सीतापुर में हुई। जबकि पूर्वांचल में तीन लोगों की मौत हुई। इसके अलावा अंबेडकरनगर में एक, बाराबंकी में दो, रायबरेली में एक, लखीमपुर खीरी में दो लोगों की मौत के समाचार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवातीय परिस्थितियों के कारण तापमान में गिरावट जारी है। मंगलवार को 2.8 डिग्री की गिरावट के साथ पारा 33.5 डिग्री पहुंच गया। वहीं, रात में 4 डिग्री की कमी से पारा 20 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड हुआ। जेपी गुप्ता के मुताबिक, बुधवार और गुरुवार को भी शहर में बाद छाए रहेंगे और बारिश के साथ–साथ आंधी तूफान की भी संभावना है।

प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में बारिश और तूफान आ सकता है। कुछ इलाकों में धूलभरी आंधी और तूफान की भी चेतावनी है।

तेज आंधी और बारिश से राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर, इंदिरानगर, विकासनगर, महानगर, आलमबाग समेत कई इलाकों में आधे घंटे तक बिजली गुल रही। वहीं, ग्रामीण इलाकों में 50 से ज्यादा पोल क्षतिग्रस्त हो गए। इसकी वजह से 33 केवी लाइन खराब हो गई। इंजीनियरों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान आउटर इलाकों में हुआ है। इसमें मोहनलालगंज, गेहरू, माल, मलिहाबाद और बीकेटी के इलाके प्रमुख हैं। बालाघाट, दुबग्गा सहित कई इलाकों में दोपहर तीन से शाम सात बजे तक बिजली सप्लाई बंद रही।

तेज आंधी से शहर और बाहरी इलाकों में कई जगह पेड़ उखड़ गए। तेज आंधी–तूफान और ओलावृष्टि से आम के बगीचों को भारी नुकसान हुआ है। आम किसानों के अनुसार इस बार बौर अच्छे आए थे, लेकिन इस बारिश और आंधी से मलीहाबाद में करीब 10 फीसदी आम गिर गए। इसके अलावा गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचा।

तीन विशेष श्रमिक ट्रेने पहुंची लखनऊ व बलिया मजदूरों को उनके घर रवाना किया गया

लखनऊ/बलिया । विशेष श्रमिक ट्रेनों के जरिए श्रमिकों एवं कामगारों की 'घर वापसी' का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। आज तीन टेऋनें श्रमिकों को लेकर उप्र पहुंची। इनमें से एक बलिया जिले में तथा दो राजधानी लखनऊ पहुंची। गुजरात के राजकोट से 1250 प्रवासी मजदूरों को लेकर श्रमिक स्पेशल ट्रेन सुबह बलिया रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन के पहुंचने के बाद सभी की मेडिकल जांच के बाद रोडवेज की बसों से उनके गन्तव्य स्थान के लिए रवाना कर दिया गया। उधर, लखनऊ में भी गुजरात के आनंद से एक विशेष ट्रेन बुधवार सुबह 1262 श्रमिको को लेकर पहुंची जहां से 50 बसों में उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। बाद में दोपहर बाद गुजरात के ही विरंगम से एक ट्रेन लखनऊ पहुंची, इस ट्रेन से 1300 श्रमिक वाापस लौटे।

उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक राजशेखर ने बुधवार को एक बयान में बताया कि सुबह साढे आठ बजे 1262 प्रवासी श्रमिकों को लेकर लखनऊ पहुंची। जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराकर उन्हें भोजन और पानी देकर 50 सरकारी बसों से उनके गंतव्य जिलों तक पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन में आने वाले अधिकतर यात्री गोरखपुर, देवरिया, प्रयागराज, प्रतापगढ.,फर्रूखाबाद, कासगंज, जौनपुर, हाथरस, जालौन और हरदोई के थे। इन सबको 50 बसों के जरिए उनके जिलों में पहुंचाया गया। राजशेखर ने बताया कि दोपहर बाद करीब एक बजे गुजरात के विरंगम से एक श्रमिक ट्रेन लखनऊ पहुंची जिसमें 1300 श्रमिक सवार थे। इन सभी की स्वास्थ्य जांच के बाद इन्हें भोजन पानी देकर सरकारी 49 बसों से इनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन से आने वाले श्रमिकों को उनके गृह जनपद गोरखपुर, देवरिया, बस्ती, प्रयागराज, प्रतापगढ., फर्रूखाबाद, जौनपुर, बलिया, जालौन और हरदोई जिलों में भेजा गया।

वहीं दूसरी ओर बलिया के जिलाधिकारी हरि प्रताप शाही ने बताया कि गुजरात के राजकोट से 1250 लोगों को लेकर श्रमिक स्पेशल ट्रेन आज सुबह बलिया रेलवे स्टेशन पहुंची। उन्होंने बताया कि इनमें तकरीबन साढ़े छह सौ श्रमिक बलिया जिले के तथा शेष श्रमिक पड़ोसी मऊ, देवरिया, आजमगढ़, गाजीपुर के साथ ही फतेहपुर व कानपुर के थे। उन्होंने बताया कि बलिया पहुँचने के बाद सभी श्रमिकों का मेडिकल जांच कराया गया तथा इसके बाद उनको राज्य सड़क परिवहन निगम के 50 बसों से उनके गन्तव्य के लिए रवाना कर दिया गया। उन्होंने बताया कि सभी को 21 दिनों तक होम क्वारंटीन में रहने की हिदायत दी गई है। मेडिकल जांच में जिस श्रमिक में कोई लक्षण मिलेगा, उनको क्वारंटीन सेंटर में रखा जायेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोरा ने फनी वीडियो में किया सिंगल होने का खुलासा

अभिनेत्री नोरा फतेही ने हाल ही में एक मजेदार वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इसमें उन्होंने अभी तक सिंगल होने का खुलासा किया हैं। उन्होंने कहा कि ष्आपको पता है, मैं यह सोच रहा हूं कि मैं अब तक सिंगल क्यों हूं, क्योंकि मेरी जैसी किसी शख्सियत को कोई नहीं संभाल सकता..आप ऐसे व्यक्तित्व वाले इंसान को नहीं झेल सकते।ष इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि ष्सच बता दिया जाए।ष बता दें कि इससे पहले नोरा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक और वीडियो साझा किया था, जिसमें उनकी रसोई के सिंक में कई सारे जूठे बर्तन नजर आ रहे थे। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, ष्इन बर्तनों को हमेशा मेरा ही इंतजार रहता है।ष बता दें कि लॉकडाउन की इस अवधि में नोरा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और प्रशंसकों का मनोरंजन करती रहती हैं।

पारुल बोली टीवी कलाकारों में भी होती है अभिनय की समझ

अभिनेत्री पारुल चौधरी का कहना है कि लोगों को टेलीविजन कलाकारों को कम समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा अभिनय, अभिनय है, चाहें वह टीवी किया जाए या फिल्म में किया जाए। मुझे उन लोगों से वाकई में शिकायत है, जो यह कहते हैं कि टेलीविजन में काम करने वाले कलाकारों को अभिनय की समझ नहीं है। मैंने कई फिल्मों व वेब सीरीज के लिए ऑडिशन दिए हैं और किसी ने भी यह नहीं कहा कि टीवी एक्टरों को नहीं पता कि अभिनय कैसे किया जाता है। उन्होंने आगे कहा जहां कहीं भी मैं गई हूं, लोगों ने कहा है कि टीवी कलाकार इंडस्ट्री के सबसे मेहनती लोगों में से हैं और हम हमेशा दबाव में रहकर ही काम करते हैं क्योंकि एक निश्चित समय के अंदर हमें अपना काम पूरा करना होता है। मुझे लगता है कि दबाव में रहकर हम उस चीज के प्रति अभ्यस्त हो जाते हैं, जिसके चलते फिल्म व वेब सीरीज हमें काफी आसान मालूम पड़ता है क्योंकि वहां टेलीकास्ट होने की कोई चिंता नहीं है।

सनी लियोन ने पार्किंग गैराज को बना अपना 'ऑफिस'

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोन ने लॉकडाउन की इस अवधि में अपने पार्किंग गैराज को अपना ऑफिस समझ लिया है। दरअसल उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर को साझा किया है, जिसके कैप्शन लिखा कि ष्अंततः फोन पर दिए जाने वाले कुछ साक्षात्कारों के लिए ऑफिस पहुंच गई!! अरे जरा ठहरिए, मैं अपने पार्किंग गैराज में हूं, मेरी नई जिंदगी!! हैशटैगसनीलियोन।ष बता दें कि सनी के इस पोस्ट को अब तक 814,861 लाइक मिल चुके हैं। तस्वीर में अभिनेत्री एक पीले रंग के क्रॉप टॉप और ग्रे पैंट में नजर आ रही हैं, जिसके साथ उन्होंने एक मोनोक्रॉम स्नीकर्स पहन रखा है। इसके साथ ही आंखों में चश्मा लगाकर और बालों में जुड़ा बांधकर उन्होंने अपने इस लुक को पूरा किया है। बता दें कि हाल ही में अभिनेता वरुण शर्मा इंस्टाग्राम लाइव चैट में शो 'लॉक्ड अप विद सनी' में अभिनेत्री के साथ जुड़े और इस दौरान दोनों ने पेंटिंग्स के प्रति अपने प्यार के बारे में भी चर्चा की।

करिश्मा तन्ना के पैर के अंगूठे की हुई सर्जरी

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने देशव्यापी लॉकडाउन के बीच अपने पैर के नाखून का ऑपरेशन करवाया है। 'नागिन', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'नागार्जुन : एक योद्धा' और 'कयामत की रात' जैसे टीवी शो में अपनी भूमिकाओं के लिए लोकप्रिय करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी देते हुए एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में डॉक्टर उनके पैर पर पट्टी बांध रहा है। क्लिप के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा है आखिरकार मेरे पैर की अंगुली के इनग्रोन नाखून का ऑपरेशन किया गया। संक्रमित होने के कारण इसमें देरी नहीं हो सकती थी। इसके अलावा उन्होंने अपने पैर की तस्वीर भी साझा की, जिसमें पट्टी बंधा नजर आ रहा है। उन्होंने आगे लिखा है पूरे नाखून को हटाया गया।

जियो प्लैटफॉर्म्स शक्ति इजाफे के लिए फिर बेच सकती है 8 फीसदी स्टेक

कोलकाता । देश सबसे बड़े औद्योगिक समूह रिलायंस के जियो की अभिभावक कंपनी जियो प्लैटफॉर्म्स स्ट्रैटिजिक फाइनैंशल इन्वेस्टर्स को 8 फीसदी की हिस्सेदारी और बेच सकती है। कंपनी ने हाल में अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फर्म सिल्वर लेक और सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक से इन्वेस्टमेंट हासिल किया था। ऐनालिस्टों का कहना है कि इस मेगा स्टेक सेल से जियो की बैलेंस शीट को मजबूती मिलेगी, फ्यूचर में कैश की जरूरत पूरी करने के लिए आईपीओ पर निर्भरता घटेगी, 5जी स्पेक्ट्रम के ऑक्शन में बड़ा हिस्सा हासिल करने में भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया पर फर्स्ट मूवर वाली बढ़त हासिल होगी।

ब्रोकरेज फर्म बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्यॉरिटीज ने एक नोट में कहा है, 'रिलायंस इंडस्ट्रीज की मैनेजमेंट कॉमेंट्री के हिसाब से कंपनी में 8 फीसदी का स्टेक सेल और होने की गुंजाइश बनी है।' उसने कहा कि आने वाले समय में प्राइवेट इक्विटी प्लेयर्स की तरफ से जियो प्लैटफॉर्म्स का ड्यू डिलिजेंस 'ज्यादा तेजी' से हो सकेगा क्योंकि कंपनी ने हालिया इन्वेस्टमेंट के लिए डॉक्यूमेंटेशन और प्रोसेसिंग का काम किया ही है। जियो में होने वाले अतिरिक्त निवेश से टेलिकॉम कंपनी की बैलेंसशीट को मजबूती मिलेगी। इससे कंपनी को 850एमएचडेड स्पेक्ट्रम में होल्डिंग को रिन्यू कराने और 5जी स्पेक्ट्रम की खरीदारी में मदद मिलेगी। बोफा सिक्यॉरिटीज ने कहा, 'जियो को 5जी स्पेक्ट्रम के ऑक्शन में फर्स्ट मूवर का फायदा मिल सकता है।' आरआईएल का शेयर मंगलवार को 1.8 फीसदी की मजबूती के साथ 1,461 रुपये पर बंद हुआ। ऐनालिस्टों का कहना है कि डिजिटल कंपनी के तौर पर जियो की कामयाबी इस बार पर निर्भर करेगी कि उसका ऐप इकोसिस्टम कितना तेजी से फैलता है और अपने लगभग 25 ऐप के क्लस्टर से किस तरह कमाई करती है। उनके हिसाब से माय जियो ऐप सुपर ऐप और जियो के वेंचर्स की तरफ से ऑफर की जा रही सभी कन्ज्यूमर सर्विसेज के लिए ऐक्सेस पॉइंट के तौर पर उभर सकता है।

ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, 'अगर फेसबुक के साथ हुई पार्टनरशिप के तहत मायजियो ऐप को वॉट्सऐप से इंटीग्रेट कर दिया जाता है तो इससे जियो ऐप के इकोसिस्टम का विस्तार तेजी से होगा।' जियो ने सोमवार को कहा था कि सिल्वर लेक

जियो प्लेटफॉर्म्स में 1.5 फीसदी स्टेक के लिए 5,655.75 करोड़ (75 करोड़) निवेश करेगा। इस डील के हिसाब से जियो प्लेटफा. र्म्स की इक्विटी वैल्यू 4.90 लाख करोड़ रुपये लगी और 5.15 लाख करोड़ रुपये की एंटरप्राइज वैल्यू लगी। दो हफ्ते पहले ही फेसबुक ने कंपनी में 9.99 फीसदी स्टेक खरीदने के लिए 43,574 करोड़ रुपये(5.7 अरब) दिए थे। रेटिंग्स फर्म मूडीज का कहना है कि वैल्यूएशन से जियो प्लेटफॉर्म्स के लिए प्राइसिंग बेंचमार्क सेट हुआ है। जेपी मॉर्गन का कहना है कि सिल्वर लेक का 75 करोड़ डॉलर का निवेश कंपनी के लिए पॉजिटिव है लेकिन फेसबुक के 5.7 अरब के इन्वेस्टमेंट से काफी कम है। इसलिए जियो प्लैटफॉर्म्स में निवेश के लिए और इन्वेस्टर्स सामने आ सकते हैं।

शेयर बाजार उछला

मुंबई । बैंक, वित्त और वाहन कंपनियों के शेयरों में आई तेजी से मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन भर के उतार– चढ़ाव के बाद कारोबार की समाप्ति पर बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 232 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 800 अंक का उतार–चढ़ाव दर्ज किया गया। इसके बाद कारोबार समाप्त होने के समय संवेदी सूचकांक 232.24 अंक करीब 0.74 फीसदी ऊपर आकर 31,685.75 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) सूचकांक 65. 30 अंक तकरीबन 0.71 फीसदी बढ़कर 9,270.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा का शेयर पांच फीसदी तेजी के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारत एयरटेल और हीरो मोटो कार्प के शेयर बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं आईटीसी के शेयर

में पांच फीसदी से अधिक की गिरावट आई। इसके साथ ही हिन्दुस्तान यूनिलीवर, टीसीएस, टाइटल और इन्फोसिस के शेयर भी नीचे आये।

बाजार जानकारों के अनुसार लॉकडाउन को लेकर आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने, कंपनियों की कमाई में गिरावट और इसके साथ ही कमजोर आर्थिक आंकड़ों से निवेशकों में डर का माहौल है। इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिले खराब संकेतों की वजह से शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा गिर गया। वहीं निफ्टी भी 9,200 अंक से नीचे रहा। आईटीसी, एक्सिस बैंक और कोटक बैंक जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे। शुरुआती कारोबार में सबसे ज्यादा आईटीसी का शेयर नुकसान में रहा। यह छह फीसदी तक गिर गया। इस दौरान सेंसेक्स पर ओएनजीसी, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, रिलायंस, टाटा स्टील पावर ग्रिड, आईसीआइ. ंसीआई, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा के शेयर ही हरे निशान में रहे।

परसिस्टेंट सिस्टम्स कंपनी का मुनाफा मार्च तिमाही में गिरकर 83.8 करोड़ रुपये रहा

मुंबई । देश की सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी अग्रणी कंपनी परसिस्. टेंट सिस्टम्स का शुद्ध मुनाफा जनवरी–मार्च–2020 तिमाही में मामूली गिरकर 83.8 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, इस दौरान कंपनी की आय 11 प्रतिशत बढ़ी है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2018–19 की इसी अवधि में कंपनी को 84.4 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। पुणे की इस कंपनी का वार्षिक शुद्ध लाभ 3.2 प्रतिशत घटकर 340 करोड़ रुपये रहा। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की शुद्ध आय 926.3 प्रतिशत रही जो सालाना आधार पर 11 प्रतिशत अधिक है। जबकि कंपनी की वार्षिक आय 3,565 करोड़ रुपये रही। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफर ओ'कोनोर ने कहा कि कंपनी का लाभ कम होने की वजह इमारतों, विपणन इत्यादि पर किया गया निवेश है। हालांकि उन्होंने दावा किया कि अब कंपनी का खर्च का काम पूरा हो चुका है। ओ'कोनोर ने कहा कि कंपनी के करीब 11,000 कर्मचारी अभी घर से काम कर रहे हैं और बहुत कम ऐसे ग्राहक हैं जिनको कंपनी लॉकडाउन प्रतिबंध की वजह से अपनी सेवाएं नहीं दे पा रही है। कंपनी के निदेशक मंडल और मुख्य कार्यकारी पहले से अपने वेतन में कटौती कर चुके हैं। जून तिमाही में यह अन्य सभी कर्मचारियों पर भी लागू होगा। लेकिन लागत कटौती के लिए छंटनी करना अभी कंपनी की प्राथमिकता नहीं है।

आईओसी पर 1,16,000 करोड़ का कर्ज

– कंपनी को सस्ते क्रूड ऑयल का लाभ मिलने से कर्ज में बड़ी कमी आने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की प्रमुख रिफाइनर और फ्यूल रिटेलर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) पर 1,16,000 करोड़ रुपए का भारी कर्ज है। हालांकि कंपनी को लॉकडाउन में ढील मिलने के बाद फ्यूल की मांग में आने वाली तेजी और सस्ते क्रूड ऑयल का लाभ मिलने से इस कर्ज में बड़ी कमी आने की उम्मीद है। कंपनी के एक कार्यकारी अ?धिकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2019–20 की शुरुआत में इंडियन ऑयल पर कुल 86,400 करोड़ रुपए का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2020–21 की शुरुआत में एक तिहाई बढ़कर 1,16,000 करोड़ हो गया। ऑयल मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2019 में यह कर्ज घटकर 75,700 करोड़ पर आ गया था। हालांकि कोरोना वायरस महामारी के चलते तेल की मांग कमजोर होने, डिविडेंड भुगतान और सरकार की ओर से फ्यूल सब्सिडी ट्रांसफर करने में देरी के चलते जनवरी–मार्च तिमाही में यह करीब 50 फीसदी बढ़कर 1,16,000 करोड़ रुपए पहुंच गया। अप्रैल में भी इंडियन ऑयल सहित दूसरी रिफाइनर्स ने बढ़ी हुई वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारी कर्ज लिया था। 30 अप्रैल को इंडियन ऑयल ने 7,000 करोड़ रुपए के कमर्शियल पेपर्स बेचे थे।

आईओसी के एक अ?धिकारी ने बताया ?कि कर्ज को लेकर पिछले कुछ समय से दबाव बना हुआ है। हालांकि हमें पिछले एक हफ्ते से इसमें कमी आने के कुछ संकेत मिल रहे हैं। मांग बढ़ने और सस्ते क्रूड का हमें लाभ मिलने की शुरुआत होते ही चीजें ठीक होनी शुरू हो जाएंगी। इसके अलावा सरकार ने रिफाइनरी को फ्यूल सब्सिडी ट्रांसफर करना शुरू कर दिया है। वित्त वर्ष 2019–20 के लिए सरकार को कुकिंग गैस और केरोसिन ऑयल की सब्सिडी के तौर पर इंडियन ऑयल को 13,000 करोड़ रुपए देना है, जिसमें से करीब 1,700 करोड़ रुपए का भुगतान अप्रैल में किया गया है। इंडियन ऑयल ने मौजूदा वित्त वर्ष में 26,000 करोड़ के पूंजीगत खर्च की योजना बनाई है और महामारी के बावजूद इस योजना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कंपनी ने सभी परियोजनाओं पर काम शुरू कर दिया है, क्योंकि हमारे और अर्थव्यवस्था के लिए यही सही होगा। सरकार ने

पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ोतरी से केंद्र को मिलेंगे 1.6 लाख करोड़

कोरोना संकट के चलते लॉकडाउन से हो रहे राजस्व नुकसान की भरपाई करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली (ईएमएस)। नकदी संकट का सामना कर रही केंद्र सरकार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी से चालू वित्त वर्ष में 1.6 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। इससे सरकार को कोरोना वायरस संकट के चलते लॉकडाउन से हो रहे राजस्व नुकसान की भरपाई करने में मदद मिलेगी। मंगलवार देर रात सरकार ने पेट्रोल पर 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें दो दशक के निचले स्तर पर चली गई हैं। इस स्थिति का लाभ उठाने के लिए सरकार ने यह निर्णय किया है। औद्योगिक सूत्रों के मुताबिक दो महीने से कम की अवधि में यह दूसरी बार उत्पाद शुल्क बढ़ाया गया है। वित्त वर्ष 2019–20 के बराबर उपभोग होने पर इससे सरकार को 1.7 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। हालांकि कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से किए गए बंद के चलते ईंधन के उपभोग में कमी आई है, क्योंकि लोगों की आवाजाही पर रोक है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2020–21 के बचे 11 महीनों में इस शुल्क बढ़ोत्तरी से होने वाली अतिरिक्त आय 1.6 लाख करोड़ रुपए रह सकती है। इससे पहले सरकार ने 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर तीन–तीन रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क बढ़ाया था। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने 16 मार्च से पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है।

सरकार के इस कदम से उत्पाद शुल्क के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के चलते उनके द्वारा कमाया गया लाभ गिर सकता है। अधिकारियों ने बताया कि सामान्य तौर पर पेट्रोल और डीजल पर कर की दर बदलने का सीधा असर ग्राहक पर पड़ता है

और इसकी कीमतों में फेरबदल होता है लेकिन 14 मार्च को उत्पाद शुल्क में की गई बढ़ोत्तरी के बावजूद ईंधन की कीमतें स्थिर रहीं। इस बढ़े हुए शुल्क को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें गिरने से हुए लाभ से बदल लिया गया।

ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत 18 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी जो 1999 के बाद का सबसे निचला स्तर था। इस बारे में रेटिंग एजेंसी मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कॉरपोरट वित्त पोषण) ने कहा कि भारत सरकार के पेट्रोल पर 21 डॉलर प्रति बैरल और डीजल पर 27 डॉलर प्रति बैरल कर बढ़ाने से सरकार को 21 अरब डॉलर का राजस्व मिलेगा यदि साल भर इस शुल्क बढ़ोत्तरी को बरकरार रखा जाता है तो।

सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम से जुड़े दस्तावेजों की वैधता अवधि 30 जून तक हुई

नई दिल्ली । वैश्विक संकट कोरोना के चलते लागू लॉकडाउन के बीच सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम और केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अंतर्गत अनिवार्य सभी दस्तावेजों की वैधता की अवधि 30 जून तक बढ़ा दी है। लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध और दफ्तरों के बंद रहने की वजह से दस्तावेजों का नवीनीकरण संभव नहीं है। ऐसे में जिन लोगों के दस्तावेज की वैधता एक फरवरी 2020 से 30 जून 2020 के बीच समाप्त हो रही है, उसकी वैधता 30 जून 2020

तक बढ़ा दी गई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और लघु उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान दस्तावेजों का नवीनीकरण संभव नहीं है। इसलिए मोटर वाहन अधि नियम 1988 और केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1989 के तहत अनिवार्य विभिन्न दस्तावेजों की वैधता 30 जून तक बढ़ा दी गई है।

शेयर बाजार, सोना चांदी, रूपये और वायदा का भाव

मुंबई (ईएमएस)। बुधवार को वायदा बाजार (एमसीएक्स) में कमोडिटी, शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी का स्तर रूपये का भाव और एमसीएक्स के साथ साथ वाणिज्यिक राजधानी मुंबई सराफा बाजार में सोने चांदी के हाजिर भाव।

– सेंसेक्स 232.24 अंक उछलकर 31,685.75 पर बंद (प्लस)

– निफ्टी 65.30 अंक चढ़कर 9,270.90 पर बंद (प्लस)

:रूपया

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे कमजोर होकर 75.72 पर बंद

	कल	आज	
यूएस डॉलर	75.63	75.72	(माइनस)
यूरो	81.95	81.77	(प्लस)
ब्रिटिश पोंड	94.17	93.74	(प्लस)

दिल्ली सराफा बाजार : हाजिर सोने के भाव

	कल	आज	
सोना		(सराफा बंद रहा)	
चांदी		(सराफा बंद रहा)	
वायदा बाजार :	कल	आज	
सोना– (05 जून 20)		45,514.00	45,715.00 (प्लस)

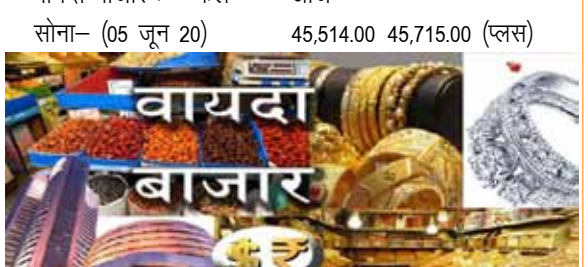

चांदी– (05 मई 20)	41,224.00	42,187.00	(प्लस)
नैचुरल गैस–(28 मई 20)	160.50	157.50	(माइनस)
कॉपर (31 मई 20)	399.80	403.80	(प्लस)
एल्यूमिनियम (29 मई 20)	130.80	131.60	(प्लस)
कच्चा तेल–(18 मई 20) (प्रति बैरल)	1,715.00	1,944.00	(प्लस)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में एक ही दिन में कोरोना से हुई 12 लोगों की मौत

जयपुर । राजस्थान में कोरोना संक्रमण से एक ही दिन में एक 12 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में अब मौतों का आंकड़ा 89 तक पहुंच गया है। वहीं 97 नए पॉजिटिव केस आने से मरीजों की संख्या भी 3158 तक जा पहुंची है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के एसीएस रोहित कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में कोरोना के कारण 12 लोग की मौत दर्ज की गई है। प्रदेश में कोरोना के कारण अब तक 89 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, इनमें सर्वाधिक 6 मौतें जयपुर में हई हैं। इसके अलावा 3–3 मौतें जोधपुर और कोटा में दर्ज की गई हैं। सिंह ने बताया राजस्थान के 29 जिलों में कोरोना संक्रमित मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें जयपुर में 1047 और जोधपुर में 823 पॉजिटिव मरीज पाए जा चुके हैं. कोटा में 221, अजमेर में 177, टोंक में 136, नागौर में 119 और भरतपुर में 115 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं. चित्तौड़गढ़ में 99, बांसवाड़ा में 66, भीलवाड़ा में 39, बीकानेर में 38, जैसलमेर में 35, झालावाड़ में 42, पाली में 28, दौसा में 21, चूरू में 14, उदयपुर में 15 और धौलपुर में 15 पॉजिटिव मरीज आए हैं। वहीं, अलवर में 13, हनुमानगढ़ में 11, सवाई माधोपुर में 8, डूंगरपुर में 7, सीकर में 7, प्रतापगढ़ में 4, राजसमन्द में 5, करौली में 3, बाड़मेर में 3 और बारां में 1 पॉजिटिव अब तक पाया गया है।

दो युवको ने अपने आप को नीम के पेड़ पर क्वारंटाइन किया

जयपुर । लॉकडाउन में दूट के बाद जो लोग घर पर पहुंच रहे है उन्हें स्थानीय प्रशासन क्वारांटाइन कर रहा है उदयपुर के भिंडर कस्बे में दो युवकों ने घर में अलग कमरा नहीं होने के कारण आंगन में खडे नीम के पेड़ पर अपने आप को क्वरांटाइन कर लिया है।

दरअसल, घर में महज दो ही कमरे होने के चलते एक भाई ने घर के आंगन में लगे नीम के पेड़ पर, मचान बना होम क्वारेंटाइन का पालन कर रहा है. तो दूसरा घर के एक कोने में चारपाई को रख कर अपना ठिकाना बना रहा है। जानकारी के अनुसार, भीण्डर से महज तीन किलोमीटर दूर स्थित डाबकिया गांव में भमरू रावत के तीनों बेटे बाहर काम करते है. इसमें से पप्पू रावत 4 मई को मूंबई से लौटा है तो वहीं उसके दो छोटे भाई ईश्वर रावत और जितेंद्र रावत सुरत से लौटे है जिस पर प्रशासन की और से पहुंची सर्वे टीम ने तीनों को होम क्वारंटाइन रहने के निर्देश दिए है लेकिन घर में महज दो कमरे होने व एक कमरे में पहले से रह रहे परिवारजनों के रहने पर, एक कमरा ही क्वारेंटाइन के लिए उपयोग में आ सकता था. इस पर पप्पू ने एक कमरे में रहने का निर्णय किया. तो ईश्वर ने घर के आंगन में लगे हुए नीम के पेड़ पर मचान बनाकर रहने का निर्णय किया. जबकि जितेंद्र ने आंगन के एक कोने में चारपाई लगाकर रह रहा है. इन तीनों को पप्पू की पत्नी खाना बनाकर अलग–अलग समय पर देती हैं।

12 लाख सेनेटरी नैपकिन वितरित किए–उषा शर्मा

जयपुर (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण के दौर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जयपुर जिले की सभी परियोजनाओं में मानदेय कर्मियों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है । सभी परियोजना में घर–घर जाकर सर्वे कार्य करना, खाद्य सामग्री वितरण में सहयोग करना, संक्रमित व्यक्ति के घर जाकर चस्पा करना हो या जांच में सहयोग करना आदि कार्य मानदेय कर्मियों द्वारा किया जा रहा है।

मानदेय कर्मियों द्वारा कपड़े के मास्क बनाकर भी वितरण किए जा रहे है। विभाग की उपनिदेशक श्रीमती ऊषा शर्मा ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमित क्षेत्र रामगंज में मानदेय कर्मियों कार्यकर्ताओ, सहायिकाओं, आशा सहयोगिनियों एवं महिला पर्यवेक्षकों द्वारा 4 सदस्य (दो मानदेय कर्मी और दो पुलिसकर्मी) टीम बनाकर घर–घर में जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाएं गए 12 लाख सेनेटरी नैपकिन और 1 लाख मास्क वितरण करवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए विभाग की तीन मानदेय कर्मी (कार्यकर्ता) कोरोना संक्रमित हो चुकी हैं दो कार्यकर्ता तो स्वस्थ होकर आ चुकी हैं तथा एक अभी सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एडमिट है।

जयपुर डिस्कॉम के 1325 गांवों की हुई बत्ती गुल

जयपुर (ईएमएस)।प्रदेश में हाल ही में आए आंधी–तूफान ने जयपुर डिस्कॉम को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, आंधी–तूफान के कारण जयपुर डिस्कॉम के क्षेत्र में 1325 गांवों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने के साथ ही डिस्कॉम को करोड़ों रुपए की चपत लगी है। फिलहाल डिस्कॉम प्रभावित इलाकों में अपने विद्युत तंत्र को दुरुस्त करने में जुटा है ताकि बिजली आपूर्ति सुचारू हो सके। बता दें कि टोंक और सवाई माधोपुर के कुछ इलाकों को छोड़कर शेष इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है, लेकिन कई गांवों में अभी तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई है। जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक ए.के.गुप्ता ने बताया कि इस आंधी व तूफान से 33 केवी के 41 और 11 केवी के 763 फीडर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इनसे जुड़े लगभग 7 हजार पोल और 1400 वितरण ट्रांसफार्मर गिरकर क्षतिग्रस्त हो जाने से जयपुर डिस्कॉम को करीब 6 करोड़ 58 लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि 3 मई से ही विद्युत कर्मचारी और इंजीनियर सुधार कार्य में जुटे हैं, लेकिन लॉकडाउन के चलते संसाधनों की कमी के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बकौल गुप्ता जयपुर डिस्कॉम में सबसे ज्यादा नुकसान अलवर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक और जयपुर जिले में हुआ है। हालांकि जयपुर, भरतपुर, करौली और धौलपुर के अधिकांश क्षेत्र की लाइनें चालू की जा चुकी हैं। वहीं, टोंक और सवाई माधोपुर के शिवाड़ तथा खंडार क्षेत्र में ज्यादा नुकसान होने के कारण वहां सुधार कार्य अभी भी चल रहा है।

गुजरात से लौटे 558 मजदूरो का स्वास्थ्य परीक्षण कर घर भेजा गया

बड़वानी (ईएमएस)। बड़वानी जिले में गुजरात से सत्त लौट रहे मजदूरो का स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर उन्हें निःशुल्क भोजन करवाकर बसो के माध्यम से उनके घरो तक पहुंचाया जा रहा है। बुधवार को गुजरात से लौटे 558 मजदूरो को पैरामाउण्ट स्कूल में बनाये गये परीक्षण केन्द्र पर लाकर जहां स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । वही भोजन – पानी करवांकर निःशुल्क वाहन सुविधा देकर उन्हें घरो तक पहुंचाया गया है।

एसडीएम बड़वानी सुश्री अंशु जावला से प्राप्त जानकारी अनुसार लॉक डाउन की घोषणा के पश्चात् अभी तक राज्य शासन की योजना के तहत गुजरात राज्य से मध्यप्रदेश की सीमा पर आये जिले के 1831 मजदूरो को शासकीय वाहन सुविधा उपलब्ध कराकर अलीराजपुर से, जिले में लाया गया है। यहॉ पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क भोजन ग्रहण कराकर उन्हें उनके घरो तक वाहन सुविधा उपलब्ध कराकर पहुंचाया गया है।

उन्होने बताया कि जिले में 27 अप्रैल को 224 मजदूर, 28 अप्रैल को 145 मजदूर, 29 अप्रैल को 58 मजदूर, 30 अप्रैल को 40 मजदूर, 1 मई को 59 मजदूर, 2 मई को 136 मजदूर, 3 मई को 274 मजदूर, 4 मई को 73 मजदूर, 5 मई को 264 मजदूर एवं 6 मई को 558 मजदूर आये है।

09 मई 2020 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित

गुना (ईएमएस)। कोरोना वायरस (कोविड–19) के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा–निर्देशानुसार 11 अप्रेल को आयोजित की जाने वाली वर्ष 2020 की दूसरी नेशनल लोक अदालत को स्थगित कर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा नेशनल लोक अदालत आयोजन की तिथि परिवर्तित की जाकर नेशनल लोक अदालत आयोजन हेतु 09 मई 2020 की तिथि निर्धारित की गई थी।

किंतु देश में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा कम न होने के कारण परिवर्तित तिथि 09 मई 2020 को नेशनल लोक अदालत के आयोजन को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राजेश कुमार कोष्टा द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाने की नवीन तिथि निर्धारित होने पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

प्लाज्मा थेरेपी को 100 फीसदी सफलता मिली

जयपुर (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण को हराने में सोशल डिस्टेन्सिंग और क्वराटाइन के अलावा गंभीर बीमार पॉजीटिव मरीजों के लिए अभी तक कोई ठोस दवा ईजाद नहीं हो पाई थी। एसएमएस अस्पताल में दो संक्रमितों की आज की गई प्लाज्मा थेरेपी के 100 प्रतिशत सुखद आये है।

राजस्थान का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल

एसएमएस प्लाज्मा थेरेपी से कोरोना का सफल इलाज करने वाला प्रदेश का पहला अस्पताल बन गया है. आईसीएमआर से अनुमति मिलने के बाद यह ट्रायल किया गया था. क्योंकि अब इसके सकारात्मक नतीजे सामने आए हैं तो, ऐसे में उम्मीद है कि कोरोना वायरस से पीडित दूसरे अति गंभीर स्थिति वाले मरीजों पर भी, इसे इस्तेमाल किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, प्लाज्मा थेरेपी जिन मरीजों में कोरोना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, उनके लिए बेहद कारगर है. इसमें एंटीबॉडी इस्तेमाल किया जाता है. किसी खास वायरस के खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी तभी बनता है, जब इंसान उससे पीडित होता है अभी कोरोना फैला है, जो मरीज इससे बीमार होने के बाद ठीक हो जाता है तो, उसके शरीर में इस कोविड वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बन जाता है इसी एंटीबॉडी का इस्तेमाल करके इलाज किया जाता है. इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि कोरोना से होने वाली मौतें काबू में हो सकती है। बताया जा रहा है कि जिस व्यक्ति का प्लाज्मा लेकर ट्रायल किया गया है, वह व्यक्ति कोरोना की जंग से जीतने वाला एक नौजवान है, जो विदेश यात्रा कर लौटा था और कोरोना वायरस पॉजिटिव मिला था।

जिला कलक्टर ने ऑटोमेटिक सेनेटाइजर मशीन का किया लोकार्पण

जयपुर (ईएमएस)। जिला कलक्टर डॉ.जोगाराम ने जिला कलक्ट्रेट भवन में स्थापित की गई ऑटोमेटिक सेनेटाइजर मशीन का लोकार्पण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि यह मशीन जिला कलक्ट्रेट स्टाफ के साथ ही लॉकडाउन के कारण बड़ी संख्या में पास बनवाने कलक्ट्रेट आने वाले लोगों के लिए उपयोगी होगी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम इकबाल खान भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि यह मशीन जयपुर की ई–फॉक्स कम्पनी द्वारा बनाई गई है। कम्पनी के प्रतिनिधि प्रशांत ने बताया कि कम्पनी द्वारा जिला कलक्ट्रेट में यह मशीन निःशुल्क स्थापित किए जाने के साथ ही इस सप्ताह में शासन सचिवालय एवं विधानसभा में भी मशीनें लगाई जाएंगी।इसमें सेनेटाइजर ऊपर से डाला जाता है एवं एक बार में फुल करने पर यह करीब ढाई हजार बार हाथों को सेनेटाइज कर सकती है। मशीन में सेनेटाइजर का लेवल बाहर से चैक किया जा सकता है। बिजली से चलने वाली इस मशीन में सेंसर्स लगे हैं जिनसे हाथों को सामने से मशीन में डालते ही आवश्यक मात्रा में सेनेटाजर हाथों पर आ जाता है।

कंटेनमेंट एरिया सहित संपूर्ण शहर में उपलब्ध कराई जा रही है किराना सामग्री और सब्जी

– बुधवार को कंटेनमेंट एरिया में 1231 घरों को उपलब्ध कराई गई किराना सामग्री

भोपाल (ईएमएस)। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये लॉकडाउन का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने और इस दौरान आम नागरिकों को जीवन उपयोगी वस्तुओं की पूर्ति उचित मूल्यों पर सुगमता से सुनिश्चित कराने के लिए निगम आयुक्त के आदेश पर नगर निगम द्वारा विशेष रूप से शहर भर के कंटेनमेन्ट एरियाज में नागरिकों की सुविधा के लिये पृथक–पृथक वाहनों से किराना सामग्री एवं सब्जी/फल विक्रय की व्यवस्था निरतंर की जा रही है जिसके तहत बुधवार को 1231 घरों में किराना सामग्री पहुंचाकर विक्रय किया गया। जबकि दुकानदारों के सहयोग से शहर भर में करीब 05 हजार 187 घरों में किराना सामग्री विक्रय के लिये पहुंचाई गई और ष्आपकी सब्जी आपके द्वारष् के तहत भोपाल शहर में उचित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में नागरिकों को सब्जी घर–घर विक्रय के लिए निरंतर उपलब्ध कराई जा रही है। ऑन लाईन आर्डर पर होम डिलेवरी 11 हजार घरों में एवं ऑफ लाईन 600 घरों में की गई तथा नगर निगम द्वारा घर–घर खाद्य सामग्री और सब्जी, फ्रूट पहुंचाने से नागरिकों को राहत मिली है। सांची पार्लरों में किराना सामग्री के 300 एवं 500 के स्टैंडर्ड पैकेट एवं बेकरी के आइटम को पर्याप्त मात्रा में रखवाने से नागरिकों को राहत मिल रही है।

नगर निगम द्वारा विशेष रूप से शहर भर के कंटेनमेंट एरिया में नागरिकों को राहत देने के लिये किराना सामग्री और सब्जी विक्रय के लिये पृथक से 69 वाहनों को लगाया गया है। कंटेनमेंट एरिया में किराना दुकान न खुलने से नागरिकों को असुविधा न हो इसे दृष्टिगत रखते हुये नगर निगम द्वारा विशेष रूप से पृथक–पृथक वाहन लगाकर किराना सामग्री विक्रय के लिये निरतंर पहुंचाई जा रही है जिसके तहत बुधवार को 1231 घरों में किराना पहुंचाकर विक्रय किया गया जबकि सब्जी विक्रय के लिये भी पृथक–पृथक वाहन लगाकर नागरिकों को राहत दी जा रही है। अपर आयुक्तगण कंटेनमेन्ट क्षेत्रों में किराना सामग्री, सब्जी आदि के विक्रय एवं सेनेटाइजेशन आदि कार्य का जायजा ले रहे है और इन व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करा रहे है।

नगर निगम द्वारा योजनाबद्ध ढ़ग से शुरू की गई ष्आपकी सब्जी–आपके द्वारष् के तहत् नागरिकों को उचित मूल्य पर भरपूर सब्जी उपलब्ध हो रही है और फल–फ्रूट भी विक्रय के माध्यम से उपलब्ध कराये जा रहे है। बुधवार को शहर के बाहर के स्थानों पर सब्जी उत्पादक किसानों द्वारा लाई गई सब्जी को फुटकर सब्जी विक्रेताओं द्वारा क्रय कर 293 लोडिंग आटो के माध्यम से शहर भर में विक्रय के लिये ले जाई गई और नागरिकों ने सोशल डिस्टेसिंग का पालन कर सब्जी की खरीददारी की। इसके साथ ही शहर के कन्टेनम. न्ट एरिया में 20 लोडिंग आटो से सब्जियां विक्रय के लिये पहुंचाई गई। नागरिकों को सब्जी के साथ ही तरबूज, खरबूज, संतरा, केला, अंगूर, आम भी विक्रय के माध्यम से उपलब्ध कराये जा रहे है। निगम के 10 उपायुक्त एवं सहायक आयुक्त ने अपने जोनों में निर्धारित रूट एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित दर अनुसार ही सब्जी विक्रय पर सतत रूप से निगरानी कर रहे है।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने और इस दौरान आम नागरिकों को जीवन उपयोगी वस्तुओं की पूर्ति और सुगमता से सुनिश्चित कराने के लिए निगम आयुक्त विजय दत्ता के आदेश पर

बुद्ध पुर्णिमा आज

लॉक डाउन के चलते घर पर ही रहकर बुद्ध पूर्णिमा मनाने की भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने अपील

सीहोर (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला महामंत्री रवि नागले ने बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिवर्ष बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर अनेक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है परंतु कोरोना वायरस के कारण लॉक डाउन के चलते पार्टी के पदाधिकारियों ने यह निर्णय लिया है कि अपने घर पर ही रहकर आज पूरी श्रद्धा के साथ लॉक डाउन का पालन करते हुए बुद्ध पूर्णिमा मनाई जावेगी। श्री नागले ने बताया कि महात्मा बुद्ध ने विश्व को अहिंसा, शान्ति, भाईचारे और प्रेम का संदेश दिया। उनके सिद्धांत हर युग, हर काल में प्रांसगिक हैं। आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आइये, महात्मा बुद्ध के सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर सामाजिक समरसता में अहम योगदान दें। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुभकामनाऐं देने वालों में रवि नागले, मण्डलाध्यक्ष सोनू मालवीय, मण्डल महामंत्री श्रवण जाटव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरिश कौशल आदि शामिल हैं।

कलेक्टर एवं एसपी ने संस्थागत क्वॉरेंटाइन सेंटर का निरीक्षण किया

नरसिंहपुर (ईएमएस)। कलेक्टर श्री दीपक सक्. सेना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने बुध्वार को करेली के संस्थागत क्वॉरेंटाइन सेंटर बाबू जगजीवन राम कन्या छात्रावास, इज्या मैरिज गार्डन एवं कार्मेल कांवेंट स्कूल का निरीक्षण किया।

विदित है कि जिले में स्थापित किये गये क्वा. रेंटाइन सेंटर में दूसरे राज्यों या बाहर से आने वाले व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें क्वॉरेंटाइन किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा सेंटर में उपस्थित लोगों से उनका हालचाल पूछा, उन्हें मिल रहे भोजन एवं पानी की व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने सभी लोगों को आवश्यक सामाजिक डिस्टेंसिंग का पालन करने को कहा। खांसते या छिंकते समय मुंह और नाक को कपड़े या रूमाल से ढकने और बार– बार हाथों को साबुन से धोने को कहा। उन्होंने क्वॉरेंटाइन सेंटर में रखे व्यक्तियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश मेडिकल टीम को दिये। उन्होंने कहा कि सभी लोग कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा– निर्देशों का पालन जरूर करें।

संघमित्रा बौद्ध, सीएमओ श्रीमती स्नेहा मिश्रा, थाना प्रभारी अनिल सिंघई, श्री विनोद नेमा सहित अन्य अधिकारी– कर्मचारी मौजूद थे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इन जगहों पर रहे हैं भगवान राम

हिंदू धर्म में रामायण सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण महाकाव्यों में से एक है। जगत कल्याण के लिए त्रेता युग में भगवान विष्णु, राम और मां लक्ष्मी, सीता के रूप में धरती पर अवतरित हुई थीं। आज भी रामायण कालीन ऐसे 8 स्थान हैं, जहां राम ने अपने दिन गुजारे थे और अब देखें वह स्थान अब किस हाल में हैं।

अयोध्या

भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। रामायण काल में अयोध्या कौशल साम्राज्य की राजधानी थी, राम का जन्म रामकोट, अयोध्या के दक्षिण भाग में हुआ था। वर्तमान समय में अयोध्या, उत्तर प्रदेश में है। जो आज प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां आज भी उनके जन्मर काल के कई प्रमाण मिलते हैं।

प्रयाग

प्रयाग, वह जगह है जहां राम, लक्ष्मण और सीता ने 14 साल के वनवास के लिए अपने राज्य जाते हुए पहली बार विश्राम किया था। वर्तमान समय में यह स्थान इलाहाबाद के नाम से जाना जाता है और यह उत्तर प्रदेश का हिस्सा है। इस स्थान का वर्णन पवित्र पुराणों, रामायण और महाभारत में किया गया है। यहां आज हिंदू धर्म का सबसे बड़ा कुंभ मेला लगता है।

चित्रकूट

रामायण के अनुसार, भगवान राम ने अपने चौदह साल के वनवास में लगभग 11 साल चित्रकूट में ही बिताए थे। ये वही स्थारन है जहां वन के निकल चुके श्री राम से मिलने भरत जी आये थे। तब उन्होंलने राम को राजा दशरथ के देहांत की सूचना दी थी और उनसे घर लौटने का अनुरोध किया था। चित्रकूट में आज भी भगवान राम और सीता के कई पद चिन्ह मौजूद हैं। वर्तमान में यह जगह आज मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच में स्थित है। यहां आज के समय में भगवान राम के कई मंदिर हैं।

जनकरपुर

जनकपुर, माता सीता का जन्म स्थान है और यहीं पर भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था। जनकपुर शहर में आज भी उस विवाह मंडप और विवाह स्थल के दर्शन कर सकते हैं, जहां माता सीता और रामजी का विवाह हुआ था। जनकपुर के आस–पास के गांवों के लोग विवाह के अवसर पर यहां से सिंदूर लेकर आते हैं, जिनसे दुल्हन की मांग भरी जाती है। मान्यता है कि इससे सुहाग की उम्र लंबी होती है। वर्तमान में यह भारत नेपाल बॉर्डर से करीब 20 किलोमीटर आगे नेपाल के काठमाण्डुह के दक्षिण पूर्व में है।

रामेश्वरम

रामेश्वरम वह जगह है जहां से हनुमानजी की सेना ने लंकापति रावण तक पहुंचने के लिए राम सेतु का निर्माण किया गया। इसके अलावा, सीता को लंका से वापसी के लिए भगवान राम ने इसी जगह शिव की अराधना की थी। वर्तमान समय में रामेश्वरम दक्षिण भारत तमिलनाडु में है। रामेश्वर आज देश में एक प्रमुख तीर्थयात्री केंद्र है। इस सेतु को भारत में रामसेतु के नाम से जाना जाता है।

बेरोजगारी से मुक्ति

फेंगशुई के सिक्के के जिस हिस्से पर चार लिपि–प्रतीक बना हुआ होता है, उसे यांग यानी सकारात्मक और जिस हिस्से पर दो लिपि–प्रतीक बना होता है, उसे यिन या नकारात्मक ऊर्जा वाला हिस्सा माना जाता है। इन सिक्कों को किसी भी जगह रखते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इसका सकारात्मक हिस्सा हमेशा ऊपर की ओर बना रहे। इन सिक्कों को तिजोरी में रखने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि मिलती है। कई लोग पैसों की तंगी दूर करने के लिए इन सिक्कों को अपने पर्स, दुकान के गल्ले, तिजोरी में भी रखते हैं।

कर्ज से मुक्ति

ऐसा कई लोगों के साथ होता है कि वो लाख कोशिश करने के बाद भी दूसरों से लिया उधार वापस नहीं कर पाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है तो आपने बेडरूम की खिड़की पर लाल धागे में बंधे तीन सिक्के लटका दें। ऐसा करने से आपका लिया सारा कर्ज खत्म हो जाएगा।

तनाव

तनाव खत्म या कम करने के लिए घर के मुख्य कमरे के दरवाजे पर इन 3 सिक्कों को बांधने से आपका तनाव कम होता है।

सौभाग्य

अगर आपके काम बनते–बनते रह जाते हैं और आपको लगता है कि आपको सौभाग्य की जरूरत है तो अपने पर्स में छोटे साइज वाले सिक्के रखें. ऐसा करने से आपके साथ हमेशा सौभाग्य रहेगा.

परिवार में कलह

अगर आपके घर में हर छोटी बात को लेकर तनाव या कलह का माहौल बन जाता है तो इस परेशानी को दूर करने के लिए अपने घर के मुख्य कमरे में इन सिक्को को बांध दें।

शुभ कार्यों में मंगल की होती है अहम भूमिका

मंगल कार्य में सबसे बड़ी भूमिका स्वयं मंगल की होती है। इसके बाद इसमें तमाम शुभ ग्रहों की भूमिका होती है। गुरु भी शुभ और मंगल कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शनि, राहु और केतु मंगल कार्यों में आम तौर पर बाधा देते हैं। मंगल जब ख़राब हो तो मंगल कार्य होना एक चुनौती हो जाती है।

कब घर में शभ कार्य सरलता से होते हैं?

मंगल ग्रह के अनुकूल होने पर शुभ कार्य आसानी से हो जाते हैं।

चन्द्रमा की शुभ दशा होने पर भी मंगल कार्य होते हैं।

बृहस्पति के कुंडली में शुभ होने पर भी मंगल कार्यों का संयोग बनता है।

साढ़े साती या ढैय्या के उतरने पर भी शुभ कार्यों की स्थिति बनती है।

किसी संत महात्मा के आशीर्वाद मिलने पर भी ऐसा होता है।

कब घर में मंगल कार्य नहीं होते?

जीवन में शनि की दशा चलने पर मुश्किल आती है।

कुंडली में राहु का प्रभाव ख़राब होने पर मंगल कार्य नहीं होते हैं।

गुरु के अशुभ होने पर भी मंगल कार्य नहीं होते हैं।

घर में नियमित कलह क्लेश होने पर भी शुभ कार्यों के योग नहीं बनते हैं।

घर के मुख्य द्वार के ख़राब होने पर भी ऐसी स्थिति बनती है।

घर में मंगल कार्य कराने के उपाय?

घर में पूजा का स्थान बनाएं और नियमित तौर पर पूजा उपासना करें।

घर में सप्ताह में एक बार सामूहिक पूजा जरूर करें।

घर में कलह क्लेश कम से कम करें।

घर के मुख्य द्वार पर नियमित बंदनवार लगाएं।

घर में नियमित भजन कीर्तन की ध्वनि आती रहे तो उत्तम होगा।

बजरंगबली को इसलिए प्रिय है सिंदूर

हिंदू धर्म के अनुसार मंगलवार का दिन मंगलमूर्ति की उपासना के लिए सबसे मंगलकारी होता है। मान्यता है कि आज के दिन हनुमान जी को प्रसन्न करना बेहद आसान होता है। इस दिन बजरंगबली के भक्त उन्हें अलग अलग उपाय करके प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं ऐसे ही उपायों में शामिल है सिंदूर का उपाय। इस उपाय को करने से आप शीघ्र ही पवनपुत्र को प्रसन्न कर पाएंगे।

हिंदू धर्म में सिंदूर को बहुत महत्व दिया जाता है। भारतीय परंपरा के अनुसार सिंदूर किसी भी सुहागन के माथे का ताज माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बजरंगबली को सिंदूर अति प्रिय है।धार्मिक दृष्टि से सिंदूर का महत्व।

सिन्दूर का महत्व

सिन्दूर मुख्यतः नारंगी रंग का होता है। महिलाएं इसे सौभाग्य और श्रृंगार के लिए प्रयोग करती हैं। बिना सिन्दूर के विवाह की कल्पना नहीं की जा सकती। सिंदूर को मंगल ग्रह से जोड़कर देखा जाता है। यही वजह है कि ये मंगलकारी भी होता है। मंगलवार के दिन हनुमान जी को सिन्दूर अर्पित करने के साथ उसका लेपन करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। माना जाता है कि हनुमान जी ने एक बार सीता माता से प्रेरित होकर सिन्दूर लगा लिया था जिसके बाद उन्हें सिन्दूर अर्पित करना शुभ माना जाता है।

वहीं ज्योतिषियों की मानें तो हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करने के कुछ खास नियम होते हैं।

हनुमान जी को सिन्दूर अर्पित करने के नियम

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए मंगलवार को सिन्दूर अर्पित करना चाहिए।

अगर मंगल बाधा दे रहा हो या कोई विशेष संकट हो तो हनुमान जी को चमेली का तेल और सिन्दूर अर्पित करना चाहिए।

पुरुष हनुमान जी को सिन्दूर अर्पित करने के साथ उनका लेपन भी कर सकते हैं लेकिन महिलाओं को सिन्दूर अर्पित करने की मनाही होती है।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के उपाय

कलियुग में हनुमान जी को सिद्ध देव माना जाता हैं। कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को उनकी कृपा मिल जाए तो उसके जीवन के सभी कष्ट आसानी से दूर हो जाते हैं। हिंदू धर्म में हनुमान जी को प्रसन्न करने का सबसे उत्तम उपाय सिंदूर का प्रयोग बताया गया है। सिंदूर का प्रयोग दांम्पत्य जीवन की खुशहाली के लिए भी किया जाता है।

सिन्दूर का चमत्कारी प्रयोग

महिलाएं नहाने के बाद मां गौरी को सिन्दूर अर्पित करने के बाद खुद को भी सिन्दूर लगाएं। इसके बाद भगवान बजरंगबली से अपने सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए प्रार्थना करें।

हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करके कर्ज, मर्ज और दुर्घटना से भी बचा जा सकता है।

बच्चे को अक्सर चोट लग जाती है तो करें ये उपाय

चोट और दुर्घटना से रक्षा के लिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर से सिन्दूर ले आएं। अब इस सिंदूर को किसी सुरक्षित जगह रख लें। बच्चे को हर सुबह इसी सिन्दूर का तिलक लगाएं। ऐसा करने से आपका बच्चा चोटों से सुरक्षित रहेगा।

दूर होगी नौकरी की बाधा

किसी भी मंगलवार को हनुमान जी के चरणों का सिन्दूर लाएं।

एक सफेद कागज पर उस सिन्दूर से स्वस्तिक बनाएं।

इस कागज को अपने पास रख लें।

आपकी नौकरी की हर समस्या दूर होगी।

यही नहीं अगर आप कर्ज के बोझ तले दबे हैं तो कर्ज से मुक्ति पाने के लिए भी उपाय कर सकते हैं। हनुमान जी की कृपा से आप शीघ्र ही कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

कर्ज से मुक्ति के लिए करें ये उपाय।

चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाएं।

जितनी आपकी उम्र है उतने पीपल के पत्ते ले लें।

हर पत्ते पर ष्रामष् लिखें।

मंगलवार को हनुमान जी को अर्पित करें।

आपको कर्ज से मुक्ति मिलेगी।

बद्रीनाथ धाम से जुड़ी है ये मान्यता

बद्रीनाथ धाम हिन्दुओं के चार धामों में से एक धाम है। यह अल. कानंदा नदी के किनारे उत्तराखंड राज्य में स्थित है। यहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं। बद्रीनाथ धाम से जुड़ी ये बातें अहम हैं।

बद्रीनाथ धाम से जुड़ी एक मान्यता है कि 'जो आए बदरी, वो न आए ओदरी।' इसका मतलब जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन एक बार कर लेता है उसे दोबारा माता के गर्भ में नहीं प्रवेश करना पड़ता।

बद्रीनाथ के बारे में कहा जाता है कि यहां पहले भगवान भोलेनाथ का निवास हुआ करता था लेकिन बाद में भगवान विष्णु ने इस स्थान को भगवान शिव से मांग लिया था।

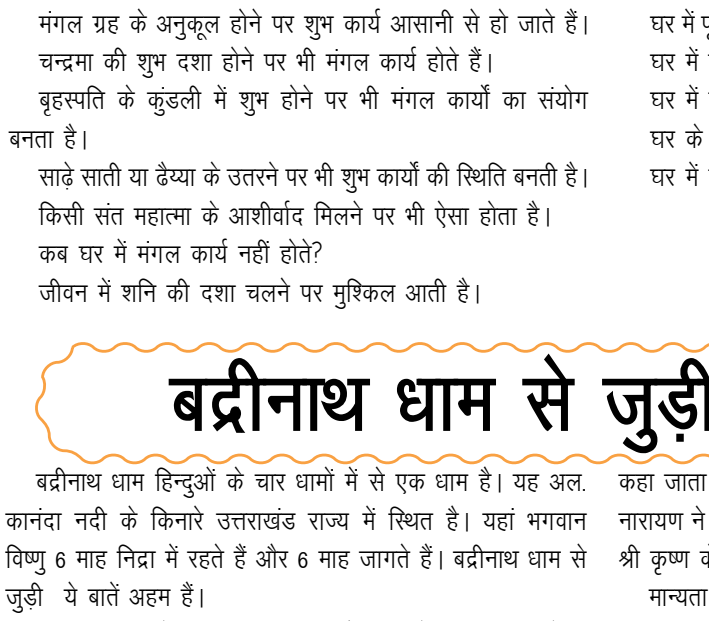

बद्रीनाथ धाम दो पर्वतों के बीच बसा है। इन्हें नर नारायण पर्वत कहा जाता है। कहा जाता है कि यहां भगवान विष्णु के अंश नर और नारायण ने तपस्या की थी। नर अपने अगले जन्म में अर्जुन तो नारायण श्री कृष्ण के रूप में पैदा हुए थे।

मान्यता है कि केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट खुलते हैं। उस समय मंदिर में जलने वाले दीपक के दर्शन का खास महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि 6 महीने तक बंद दरवाजे के अंदर देवता इस दीपक को जलाए रखते हैं।

बद्रीनाथ के पुजारी शंकराचार्य के वंशज होते हैं। कहा जाता है कि जब तर यह लोग रावल पद पर रहते हैं इन्हें ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। इन लोगों को लिए स्त्रियों का स्पर्श वर्जित माना जाता है.

केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि केदारनाथ के रावल के निर्देशन में उखीमठ में पंडितों द्वारा तय की जाती है। इसमें सामान्य सुविधाओं के अलावा परंपराओं का ध्यान रखा जाता है। यही कारण है कि कई बार ऐसे भी मुहूर्त भी आए हैं जिससे बदरीनाथ के कपाट केदारनाथ से पहले खोले गए हैं जबकि आमतौर पर केदारनाथ के कपाट पहले खोले जाते हैं।

बद्रीनाथ मंदिर का इतिहास

यह अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नर और नारायण नामक दो पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है। ये पंच–बदरी में से एक बद्री हैं। उत्तराखंड में पंच बदरी, पंच केदार तथा पंच प्रयाग पौराणिक दृष्टि से तथा हिन्दू धर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

बद्रीनाथ मंदिर का निर्माण

सोलहवीं सदी में गढ़वाल के राजा ने मूर्ति को उठवाकर वर्तमान बद्रीनाथ मंदिर में ले जाकर उसकी स्थापना करवा दी।

फेंगशुई के ये 3 सिक्के बदलेंगे किस्मत

अगर आप बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से अक्सर आपके घर में कलह का महौल बना रहता है तो परेशान होने की जगह फेंगशुई के इन 3 पुराने सिक्कों से मदद लीजिए। आइए जानते हैं कैसे आप इन सिक्कों की मदद से अपनी अपने आस–पास की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके अपनी किस्मत चमका सकते हैं।

फेंगशुई के अनुसार ये 3 पुराने सिक्के आर्थिक संपन्नता का प्र. तीक माने जाते हैं। आप अपने पास इन 3 सिक्कों को रखकर अपनी सभी परेशानियों से निजात पा सकते हैं।

माना जाता है कि इन सिक्कों से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने के साथ घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है.चलिए आपको बताते हैं

घर में ये सिक्के रखने से आप अपनी कौन–कौन सी परेशानियों से निजात पा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में कोरोना के 380 नए केस, इकलौते अहमदाबाद में 291 मामले

अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा पहुंचा 4735 पर, राज्यभर में कुल 6662 केस

अहमदाबाद । गुजरात में दिन ब दिन कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा हैद्य मंगलवार की शाम से बुधवार की शाम तक गुजरात में कोरोना के 380 नए केस सामने आए हैंद्य जिसमें सबसे अधिक 291 मामले इकलौते अहमदाबाद में दर्ज हुए हैंद्य जबकि राज्य में 28 मरीजों की मौत हुई है और इसमें 25 मरीज केवल अहमदाबाद के थेद्य पिछले 24 घंटों में 119 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्यभर में 380 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैंद्य अहमदाबाद में 291, वडोदरा में 16, सूरत में 31, भावनगर में 6, आणंद में 1, गांधीनगर में 4, पंचमहल में 2, बनासकांठा में 15, बोटाद में 7, दाहोद में 2, खेडा में 1, जामनगर में 1, साबरकांठा में 1, महीसागर में 2 केस दर्ज हुए हैंद्य इस दौरान अहमदाबाद में 25, गांधीनगर, साबरकांठा और वडोदरा में समेत राज्य में 28 लोगों की मौत हुई हैद्य जबकि 119 लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जिसमें अहमदाबाद में 74, आणंद में 1, बोटाद में 2, डांग में 1, गांधीनगर में 1, मेहसाणा में 1, सूरत में 32, वलसाड में 1 और वडोदरा में 6 समेत 119 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 95191 टेस्ट किए गए। जिसमें 6625 पॉजिटिव और 88566 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई हैद्य राज्य में कुल 58063 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 53444 होम कोरन्टाइन, 4392 लोग सरकारी कोरन्टाइन और 227 प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। जयंति रवि ने बताया कि अहमदाबाद में अब तक कोरोना पॉजिटिव के 4735 केस दर्ज हो चुके हैं। जिसमें 298 मरीजों की मौत और 778 लोग ठीक होने के बाद अपने घरों को लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि वडोदरा में 421, सूरत में 772, राजकोट में 62, भावनगर में 82, आणंद में 76, भरुच में 27, गांधीनगर में 83, पाटन में 24, पंचमहल में 51, बनासकांठा में 64, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 14, कच्छ में 7, मेहसाणा में 42, बोटाद में 48, पोरबंदर में 3, दाहोद में 15, गिर सोमनाथ में 17, जामनगर में 5, मोरबी में 1, साबरकांठा में 10 अरवल्ली में 22, महीसागर में 42, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 3 और जूनागढ़ में अब तक कोरोना के 2 केस दर्ज हुए हैं। राज्यभर में कोरोना के कुल 6662 मामलों में अब तक 396 मरीजों की मौत हो चुकी है और 1500 जितने लोग ठीक होने के बाद अस्पताल से अपने घर लौट चुके हैं।

पांडेसरा में वतन जाने के लिए परप्रांतिय श्रमिक उतरें सड़को पर

–दूध और दवा के 15 मई तक शहर में सभी दुकाने बंद, रेड जोन में बैंक भी बंद

सूरत शहर में परप्रांतिय श्रमिको को ट्रेन द्वारा वतन भेजने की कार्रवाई चल रही हैद्य इस दौरान आज शहर के पांडेसरा इलाके में बड़ी संख्या में उडिसा के लोग सड़कों पर उतर आएद्य उडिसा के श्रमिकों ने भी वतन भेजने की मांग कीद्य पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया।

सूरत में लगातार कोरोना वायरस के लगातार केस बढ रहे है। लोक़डाउन के बीच परप्रांतिय श्रमिको की हालत दयनीय हो चुकी हैद्य श्रमिकों को किसी भी हालत में अपने वतन पहुंचना है। श्रमिकों के पास पैसे नहीं होने के कारण अपने दोस्तों के पास से कर्ज

पर रुपए लेकर वतन जाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैद्य पिछले कई दिनों से सूरत में रहनेवाले विविध राज्यों के श्रमिकों को प्रशासन ने ट्रेन द्वारा भेजा जा रहा है। सुरत शहर में से अब तक उत्तरप्रदेश, उडिसा, बिहार, झारखंड के श्रमिकों को लेकर 18 ट्रेन रवाना हो चुकी है। जिसमें 20 हजार से अधिक श्रमिकों को अपने वतन पहुंचाया गया। आज और अधिक 10 ट्रेन द्वारा सुरत से श्रमिकों को अपने वतन रवाना किया गया।

सूरत शहर में उडिसा के नागरिकों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें वतन भेजने में विलंब हो रहा हैद्य विलंब के चलते आज पांडेसरा इलाके में बडी संख्या में उडिसा

के श्रमिक सड़को पर उतर आए वतन जाने के लिए प्रशासन से व्यवस्था करने की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर अग्रणी के साथ मिलकर पुलिस ने परप्रांतिय श्रमिकों से समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

"नमस्ते ट्रम्प" कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप

अहमदाबाद । 24 फरवरी को अहमदाबाद में हुए "नमस्ते ट्रम्प" कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप तेज हो गए हैंद्य गुजरात कांग्रेस का आरोप है कि नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम के दौरान एक लाख से भी ज्यादा लोगों को एकत्र किया गया था, जिसकी वजह से अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 4000 को पार कर गया है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम में जुटी भीड़ की वजह से लोकल ट्रांसमिशन की शुरुआत हुई और उसकी वजह से आज अहमदाबाद की स्थिति भयावह हैद्य उन्होंने कहा कि अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में न सिर्फ भीड़ जुटाई गई बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प के अभिवादन में एयरपोर्ट से स्टेडियम तक बड़ी संख्या में लोगों को खडा रखा गयाद्य नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम के जरिए गुजरात में कोरोना वायरस के प्रवेश की शुरुआत हुई, जिसने आज पूरे गुजरात को अपनी चपेट में ले लिया हैद्य

कांग्रेस पर पलटवार करते हुए गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं हैद्य उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 24 फरवरी को अहमदाबाद आए थे और गुजरात में कोरोना का पहला केस 19 मार्च को सामने आया थाद्य जाडेजा ने कहा कि नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम की सफलता से कांग्रेस बौखलाई हुई है और इसलिए आधारहीन आरोप लगा रही है।

सूरत से 1200 मजदूर लेकर गुरुवार को बांदा पहुंचेगी स्पेशल ट्रेन

बांदा । गुजरात के सूरत महानगर में फंसे 1,200 श्रमिकों को लेकर एक स्पेशल ट्रेन गुरुवार शाम बांदा पहुंचेगी। इस संबंध में सूरत के कलेक्टर ने बांदा प्रशासन को सूचना भेज दी है। अपर जिलाधिकारी संतोष बहादुर सिंह ने बुधवार को बताया कि गुजरात के सूरत महानगर में लॉकडाउन में फंसे बांदा समेत आसपास के हमीरपुर, चित्रकूट और फतेहपुर जिलों के 1200 मजदूरों को लेकर एक श्रमिक स्पेशल ट्रेन बुधवार दोपहर 2। 30 बजे सूरत से चलेगी और उसके गुरुवार शाम बांदा पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के बांदा आने की तैयारी पूर्ण की जा रही है और सभी को स्क्रीनिंग करके शासकीय नियमों के तहत अलग–अलग तहसीलों में बने केंद्रों में 14 दिन के लिए क्वारंटाइन कराया जाएगा। मजदूरों को उनके घर तक को पहुंचाने के लिए 50 से अधिक बसों की व्यवस्था की गई है।

सुरत शहर में अलग–अलग क्षेत्रों में सुरत पुलिस कमिश्नर श्री और मनपा कमिश्नर श्री ने मुलाकात कर किये गईकार्य और जरूरी मार्गदर्शन दिया और प्रवासी मजदूर अपने गाँव जाते समय कोई भी संक्रमण व्यकित न जाये इस लिये थर्मल स्केनिग की व्यवस्था और स्टेशन तक जाने के लिये बस की व्यवस्था भी किया गया

खंभात में कोरोना से मृत मरीज का अंतिम संस्कार का विरोध, पुलिस पथराव

आणंद । आणंद के खंभात में कोरोना पॉजिटिव मरीज की मौत के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर स्थानीय लोगों ने जम कर बवाल कियाद्य शव का अंतिम संस्कार करने मेडिकल स्टाफ के साथ पहुंची पुलिस पर स्थानीय लोगों ने पथराव कियाद्य जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गएद्य

जानकारी के मुताबिक आणंद जिले में खंभात के मीरकोई वाडा क्षेत्र के 63 वर्षीय पुरुष की दो दिन पहले कोरोना से मौत हो गई थीद्य मृतक के परिजन कोरन्टाइन थे, जिससे उनका अंतिम संस्कार में शामिल होना संभव नहीं थाद्य मृतक के अंतिम संस्कार के लिए पहले आणंद के इलेक्ट्रिक स्मशान गृह को चुना गयाद्य लेकिन आणंद स्मशान गृह में तकनीकी खराबी के कारण अंतिम संस्कार विद्यानगर स्मशान गृह में करने का फैसला किया गयाद्य शव को लेकर स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम जब विद्यानगर स्मशान पहुंची तो स्थानीय लोग विरोध करने लगेद्य पुलिस ने विरोध करने वालों को समझाने का प्रयास किया परंतु वह नहीं मानें और पुलिस पर पथराव करने लगेद्य स्मशान गृह आ रहे खंभात नगर पालिका के प्रमुख पर भी स्थानीय लोगों ने पथराव कियाद्य करीब एक हजार लोगों की भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का उपयोग कियाद्य पथराव की इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि गुजरात में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इसे लेकर लोग भी दहशत में हैं। ऐसे में पीपीई किट पहने लोगों को देख विद्यानगर स्मशान गृह के आसपास रहने

वाले लोगों में दहशत फैल गई और उनके क्षेत्र में अंतिम संस्कार का विरोध करने लगे।

लॉकडाउन के दौरान पश्चिम रेलवे और आईआरसीटीसी ने 6 मंडलों में 4.74 लाख ज़रूरतमंदों को कराया भरपेट भोजन

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे और आईआरसीटीसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा षमिशन फूड डिस्ट्रिब्यूशनष अभियान, 5 मई, 2020 को अपने 38 वें दिन में प्रवेश कर गया। उल्लेखनीय है कि यह अभियान 29 मार्च, 2020 को शुरू किया गया था। पिछले 38 दिनों में लॉकडाउन के दौरान, विभिन्न ज़रूरतमंद और असहाय व्यक्तियों को पश्चिम रेलवे के 6 मंडलों में कुल 4.74 लाख फूड पैकेट वितरित किये गये। इनमें से 2.47 लाख फूड पैकेटों का एक बड़ा हिस्सा, आईआरसीटीसी के वेस्ट जोन द्वारा मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद में अपने बेस किचनों से उपलब्ध कराया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आईआरसीटीसी की मदद से पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक, आरपीएफ और अन्य विभागों के कर्मचारियों ने लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित करने में अहम भूमिका निभाई है।पश्चिम रेलवे गैर –सरकारी संगठनों के सहयोग से दैनिक आधार पर प्ल्ब्ज के बेस किचनों के माध्यम से दोपहर के भोजन के लिए कागजी प्लेटों के साथ बड़ी मात्रा में पका हुआ भोजन प्रदान कर रही है। ज़रूरतमंद व्यक्तियों को भोजन वितरित करते समय, सभी सम्बंधितों द्वारा सामाजिक दूरी और स्वच्छता के आवश्यक पहलुओं को भली–भांति सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पश्चिम रेलवे और प्ल्ब्ज के पश्चिम क्षेत्र ने ऐसे ज़रूरतमंद व्यक्तियों तक भोजन पहुंचाने के लिए अपने हरसम्भव प्रयास लगातार जारी रखे हैं, जो कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं। यह संयुक्त मिशन फूड डिस्ट्रिब्यूशन काफी सफल रहा है और अब तक पश्चिम रेलवे के कुल 1416 बहादुर वाणिज्यिक योद्धाओं के अलावा बड़ी संख्या में आरपीएफ कर्मचारियों और गैर–सरकारी संगठनों के स्वयंसेवकों ने पश्चिम रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में इस सामुदायिक भोजन के वितरण में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। इसी क्रम में 5 मई, 2020 को पश्चिम रेलवे के छह डिवीजनों में कुल 7188 खाद्य पैकेट वितरित किए गए। आईआरसीटीसी के सामुदायिक भोजन के अलावा, मुंबई सेंट्रल डिवीजन के वाणि ाज्यिक कर्मचारियों ने डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर गैर–सरकारी संगठनों के माध्यम से 710 भोजन पैकेट वितरित किए, जबकि अहमदाबाद डिवीजन में आईआरसीटीसी के अलावा 3425 भोजन पैकेट वितरित किए गए। वडोदरा शहर में अक्षय पात्र फाउंडेशन के माध्यम से वडोदरा डिवीजन ने 1500 भोजन पैकेट वितरित किए। सिहोर में स्थानीय रेल कर्मचारियों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा 50 भोजन पैकेट वितरित किए गए। रतलाम डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर 210 भोजन पैकेट वितरित किये गये। साईं सेवा ट्रस्ट, जलाराम सेवा ट्रस्ट और रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के सहयोग से जामनगर, सुरेंद्र नगर, वांकानेर और हापा में राजकोट मंडल द्वारा 243 भोजन पैकेट वितरित किए गए। वापी के जैन संघ ने वापी स्टेशन पर हाउसकीपिंग स्टाफ, पार्सल लोडर और ड्यूटी स्टाफ को 50 भोजन पैकेट वितरित किए। पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक कर्मचारियों ने चर्नी रोड और माटुंगा रोड स्टेशनों के पास ज़रूरतमंद व्यक्तियों को भोजन के पैकेट वितरित किए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)